दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-9 | अंक-183 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 24 जुलाई 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

भोपाल में राष्ट्रीय कार्यशाला,रोजगार आधारित शिक्षा पर जोर-मुख्यमंत्री बोले-

70 से ज्यादा विश्वविद्यालय में कराई जाएगी वेटरनरी की पढ़ाई

भोपाल। दूध उत्पादन में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। अब हम इसमें पहले स्थान पर आने के लिए प्रयासरत हैं। हमारे पास 6 करोड़ से अधिक पशुधन है। इसके लिए हमें ज्यादा वेटरनरी विशेषज्ञों की जरूरत है। यह जरूरत सिर्फ एक कॉलेज से पूरी नहीं हो सकती है। इसलिए, प्रदेश के सभी कॉलेजों में वेटरनरी से जुड़ी शिक्षा शुरू की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में विकसित भारत@2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षा- रुझान एवं नए अवसर विषय पर बुधवार को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी मौजूद हैं।

हमारी पहल को मिल रही स्वीकारता, ये गर्व की बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में 70 से ज्यादा विश्वविद्यालय हैं। हमने अपने सभी विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर का नाम बदलकर कुलगुरु कर दिया। इस पहल को देश में स्वीकारता मिल रही है, यह हमारे लिए गर्व की बात है। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी हमारा अनुसरण किया है.

कार्यशाला में चार तकनीकी सत्र होंगे

प्रथम सत्र-अभियांत्रिकी और तकनीकी विषय।

द्वितीय सत्र-प्राकृतिक और जीवन विज्ञान।

तृतीय सत्र-कौशल विकास और रोजगार अवसर।

चतुर्थ सत्र-सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन।

रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ाने पर दिया जा रहा जोर

आज की बदलती दुनिया में शिक्षा सिर्फ डिग्री पाने का साधन नहीं, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता की कुंजी बन गई है। इसी सोच के साथ शुरू हुई कार्यशाला में शैक्षणिक संस्थानों में रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को नए अवसरों के लिए तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाएगा। मुख्य वक्ता डॉ. एसी पांडे (निदेशक, आईयूएसी नई दिल्ली) ने तकनीकी बदलावों और नवाचारों से पैदा हो रहे रोजगार के नए आयामों पर विस्तृत विचार साझा किए। कार्यशाला में इंजीनियरिंग, जीवन विज्ञान, कौशल विकास और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित कर भविष्य के अवसरों पर गहन विमर्श किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद रहे।

बच्चों के लिए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

कार्यशाला का सीधा प्रसारण दूरदर्शन, फेसबुक लाइव, ट्विटर और यूट्यूब पर किया गया। राज्य सरकार ने निर्देश दिए हैं कि सभी सरकारी, अनुदान प्राप्त और निजी महाविद्यालयों में कार्यशाला का सीधा प्रसारण दिखाया जाए। सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को इस आयोजन में वर्चुअल शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

मंत्री विजय शाह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका

कर्नल सोफिया पर बयान दिया था; कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने हटाने की मांग की

भोपाल। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले मंत्री विजय शाह को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस की नेता जया ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि मंत्री शाह का आचरण संविधान के अनुच्छेद 164 (3) के तहत ली गई शपथ का उल्लंघन करता है।

इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने उनके खिलाफ क्रो-वारंटो रिट जारी करने की मांग की है, जिससे उन्हें मंत्री पद से हटाया जा सके। याचिका में कहा गया है-मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ एक विवादित टिप्पणी की थी, जो किसी और के लिए नहीं बल्कि केवल उन्हीं के लिए हो सकती है।

कोर्ट ने कहा था- अलग से याचिका दायर करें

शाह केस की सुप्रीम कोर्ट में 28 मई को हुई सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने कैविएट दायर की थी। इसमें कहा गया था कि उन्हें सुने बगैर सुप्रीम कोर्ट शाह केस में कोई फैसला न दे। इस दौरान जया ठाकुर की तरफ से एडवोकेट वरुण ठाकुर, विवेक तन्खा और बाकी लोग भी कोर्ट रूम में मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर-लोकसभा में 28, राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा

दोनों सदनों में 16-16 घंटे बहस; विपक्ष के हंगामे से लगातार तीसरे दिन सदन नहीं चला

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सदनों में बहस के लिए 16-16 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी। पिछले 3 दिनों से विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, बिहार वोटर वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर हंगामा कर रहा है। तीन दिनों में दोनों सदनों में लगातार एक-आधे घंटे भी कार्यवाही नहीं चल सकी।

28 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई से लोकसभा में चर्चा शुरू होगी। सदन में इस पर 16 घंटे तक चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान मौजूद रहेंगे।

ट्रम्प सीजफायर कराने वाले कौन :राहुल गांधी

नई दिल्ली. राहुल गांधी ने बुधवार को कहा, ट्रम्प 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर कराया। वह कौन हैं? यह उनका काम नहीं है। भारत के प्रधानमंत्री पूरी तरह से चुप हैं। उन्होंने एक बार भी ट्रम्प के दावों का जवाब नहीं दिया। प्रधानमंत्री क्या बोलेंगे। कैसे बताएंगे कि ट्रम्प ने पाकिस्तान के साथ समझौता करवाया है? संसद में मानसून सत्र में भाग लेने के बाद राहुल ने कहा, पूरी दुनिया जानती है.

1600 से ज्यादा विलफुल डिफॉल्टर दबाए बैठे हैं 1.62 लाख करोड़ रुपये, बड़ा खुलासा...

नई दिल्ली, एजेंसी

एक महत्वपूर्ण खुलासे में, वित्त मंत्रालय ने बताया कि 31 मार्च, 2025 तक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 1,629 कॉर्पोरेट कर्जदारों को जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों के रूप में पहचाना है। राज्यसभा को दी गई जानकारी के अनुसार, इन कर्जदारों पर कुल मिलाकर 1.62 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। विदेशी कर्जदारों को छोड़कर, यह आंकड़ा बैंकों द्वारा बड़े ऋणों पर सूचना के केंद्रीय भंडार को सौंपी गई रिपोर्टों के आधार पर संकलित किया गया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बड़े ऋणों पर सूचना के केंद्रीय भंडार (सीआरआईएलसी) में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च, 2025 तक, 1,62,961 करोड़ रुपये के कुल बकाया ऋण वाले 1,629 विशिष्ट उधारकर्ताओं को इरादतन चूककर्ता के रूप में वर्गीकृत किया गया था।÷ यह बैंकिंग क्षेत्र के सामने मौजूद वित्तीय चुनौती

के पैमाने को दर्शाता है।

सरकार ने इन डिफॉल्टरों के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों पर ज़ोर दिया है, जिनमें अतिरिक्त ऋण सुविधाओं से इनकार और पाँच साल की अवधि के लिए नए उद्यम शुरू करने पर प्रतिबंध शामिल हैं। इन डिफॉल्टरों से जुड़ी कंपनियों को पूंजी बाजार में प्रवेश करने से भी प्रतिबंधित किया गया है, जिससे उनकी धन जुटाने की क्षमता सीमित हो गई है। इस कदम का उद्देश्य भविष्य में डिफॉल्ट को रोकना और वित्तीय अनुशासन बनाए रखना है।

आपराधिक कार्यवाही भी होगी शुरू...

भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर निर्देशों के अनुसार, बैंकों को सभी क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) को जानबूझकर ऋण न चुकाने वालों की मासिक सूची प्रस्तुत करनी होगी। ये सूचियाँ, जिनमें 25 लाख और उससे अधिक के ऋण शामिल हैं, सिबिल और एक्सपीरियन जैसी कंपनियों की वेबसाइटों पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। यह पारदर्शिता सुनिश्चित करती है कि हितधारकों को संभावित जोखिमों के बारे में अच्छी जानकारी हो। इसके अलावा, पंकज चौधरी ने कहा कि बैंक योग्य मामलों में जानबूझकर ऋण न चुकाने वालों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही भी शुरू कर सकते हैं। यह स्थिति की गंभीरता और इससे निपटने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तेज रफ्तार कार ने कांवड़ियों को कुचला, 4 की मौत, कई घायल

ग्वालियर, ब्यूरो

आगरा-मुंबई नेशनल हाइवे पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। शीतला माता मंदिर गेट के पास एक बेकाबू तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे पैदल जा रहे कांवड़ियों के एक समूह को रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में चार कांवड़ियों की जान चली गई, जिनमें तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं कार में सवार सभी लोग भी घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और तनाव की स्थिति बन गई, जिसे संभालने के लिए शहर के चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रात करीब 1 बजे कांवड़ियों का जत्था शीतला माता मंदिर के पास हाईवे किनारे से गुजर रहा था, तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार अचानक बेकाबू हो गई और कांवड़ियों को रौंदते हुए हाईवे से नीचे झाड़ियों में जा गिरी। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगते ही कई कांवड़िए दूर जाकर गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मारे गए सभी कांवड़िए एक ही गांव के

हादसे में जान गंवाने वाले सभी कांवड़िए ग्वालियर के घाटीगांव क्षेत्र की सिमरिया पंचायत के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान पूरन बंजारा निवासी सीडना का चक सिमरिया, रमेश बंजारा, दिनेश बंजारा (दोनों निवासी सिमरिया) और धर्मेंद्र उर्फ छोटू निवासी घाटीगांव के रूप में हुई है। हादसे में कई अन्य कांवड़िए घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल ग्वालियर के जेएएच ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया।

ईओडब्ल्यू ने मारा छापा...

आदिम जाति कल्याण विभाग का डिप्टी कमिश्नर निकला करोड़पति

जबलपुर (एजेंसी)

आदिम जाति कल्याण विभाग में डिप्टी कमिश्नर जगदीश सरवटे के घर जब आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने छापा मारा अधिकारी तो उसकी काली कमाई देख दंग रह गए। मंगलवार को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की टीम ने एक साथ उसके जबलपुर और भोपाल में तीन ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई में उसके पास बेशकीमती जमीनों के दस्तावेज और लाखों रुपये के सोने और चांदी के जेवरात मिले, जो उसकी आय से कई गुना अधिक हैं। अब तक की जांच में पांच करोड़ 89 लाख 95 हजार 624 रुपये की संपत्ति की जानकारी सामने आई है। जांच अभी जारी है, इसलिए काली कमाई का आंकड़ा और बढ़ सकता है। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के अनुसार जगदीश सरवटे लंबे समय से जबलपुर में पदस्थ रहा। एक माह पूर्व ही तबादला जबलपुर से सागर किया गया था।

भोपाल में घर और तीन फ्लैट

सरवटे के बेटे का भोपाल में 12 लाख नौ हजार रुपये कीमत का घर मिला, वहीं अंदर 23 लाख रुपये कीमत का घरेलू सामान पाया गया। सात लाख 82 हजार रुपये कीमत का एक फ्लैट भी मिला है। इसके साथ ही पंजाब नेशनल बैंक में डेढ़ लाख रुपये की रजिस्ट्री और होशंगाबाद रोड में भी एक फ्लैट होने की जानकारी लाकरों की जानकारी भी सामने आई है।

भारतीय बिना वीजा 59 देशों की यात्रा कर सकते हैं

रैंकिंग में 77वां हासिल किया; सिंगापुर पहले स्थान पर, अफगानिस्तान सबसे नीचे

नई दिल्ली. भारतीय अब बिना वीजा के 59 देशों की यात्रा कर सकते हैं। ये जानकारी मंगलवार को जारी हेनली पासपोर्ट इंडेक्स में सामने आई। भारत ने वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग में 77वां स्थान हासिल किया है। भारत की रैंकिंग में ये बदलाव पिछले 6 महीनों में आया है। यह रैंकिंग दुनिया भर के पासपोर्ट को उनके वीजा-फ्री यात्रा की संख्या के आधार पर तय की जाती है। दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट के मामले में सिंगापुर शीर्ष पर है। सिंगापुर का पासपोर्ट 193 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा देता है। 190 देशों के साथ जापान और साउथ कोरिया दूसरे स्थान पर हैं।

भारत की स्थिति में पिछले साल से सुधार

2025 की रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट ने लगातार दूसरी बार सुधार दर्ज किया है। पिछले साल भारत 85वें स्थान पर था, और इस बार 8 पायदान ऊपर चढ़कर 77वें स्थान पर पहुंचा है।हालांकि, वीजा-मुक्त यात्रा की संख्या में कमी आई है। 2024 में भारतीय पासपोर्ट धारक 62 देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते थे, जबकि इस साल यह संख्या 59 है। फिर भी, रैंकिंग में सुधार का कारण दूसरे देशों के पासपोर्ट के तुलना में बेहतर प्रदर्शन है। भारतीय पासपोर्ट धारक अब 19 अफ्रीकी देशों, 19 एशियाई देशों, 10 उत्तरी अमेरिकी देशों, 10 ओसीनिया क्षेत्र के देशों और 1 दक्षिण अमेरिकी देश में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं।

बाय-बाय फाइटर | 1963 में एयरफोर्स में शामिल हुआ, 19 सितंबर को चंडीगढ़ एयरबेस में होगा विदाई कार्यक्रम

तीन जंग लड़ने वाला मिग-21 फाइटर जेट होगा रिटायर

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय वायुसेना में 62 साल तक सर्विस देने के बाद मिग-21 लड़ाकू विमान 19 सितंबर को रिटायर होगा। चंडीगढ़ एयरबेस में फाइटर जेट का विदाई कार्यक्रम होगा। इसके बाद विमान की सेवाएं आधिकारिक तौर पर खत्म हो जाएंगी। मिग-21 जेट 1963 में पहली बार भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था।

यह भारत का पहला सुपरसोनिक जेट था यानी ये आवाज की गति (332 मीटर प्रति सेकेंड) से तेज उड़ सकता था। फाइटर जेट की आखिरी 2 स्क्वाड्रन (36 मिग?21) राजस्थान के बीकानेर में नाल एयरबेस पर तैनात है। इन्हें नंबर 3 स्क्वाड्रन कोबरा और नंबर 23 स्क्वाड्रन पैंथर्स के नाम से जाना जाता है। मिग-21 जेट ने 1965 के भारत-पाक युद्ध, 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम, 1999 के कारगिल युद्ध और 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब इसकी जगह तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट लेंगे। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 400 से ज्यादा मिग-21 विमान क्रैश हुए हैं। इसमें 200 से ज्यादा पायलट मारे गए गए हैं। इसी वजह से फाइटर प्लेन को 'उड़ता ताबूत' और 'विडो मेकर' कहा जाता है। रूस और चीन के बाद भारत मिग-21 का तीसरा सबसे बड़ा ऑपरेटर रहा है। 1964 में इस विमान को पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट के तौर पर एयरफोर्स में शामिल किया गया था।

शुरुआती जेट रूस में बने थे और फिर भारत ने इस विमान को असेंबल करने के राइट्स और टेक्नीक भी हासिल कर ली थी। तब से अब तक मिग-21 ने 1971 के भारत-पाक युद्ध, 1999 के कारगिल युद्ध समेत कई मौकों पर अहम भूमिका निभाई है। रूस ने तो 1985 में इस विमान का निर्माण बंद कर दिया, लेकिन भारत इसके अपग्रेडेड वैरिएंट का इस्तेमाल करता रहा।

भारत ने 900 मिग-21 जेट खरीदे, अब केवल 36 बचे

भारत ने 900 मिग-21 फाइटर जेट खरीदे थे। इनमें से 660 हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने देश में ही बनाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समय भारतीय वायुसेना के बेड़े में सिर्फ 36 मिग-21 फाइटर जेट ही बचे हैं। इसने कई दशकों तक बेहतरीन सेवा दी। फरवरी 2019 पुलवामा अटैक में भारत के 40 जवान शहीद हुए थे। इसके 2 हफ्ते बाद 26 फरवरी को वायुसेना ने मिग जेट्स से बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी कैंप पर एयर स्ट्राइक की थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 27 फरवरी को भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। इस एरियल अटैक में विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान का मिग-21 बाइसन भी क्रैश हो गया था। उन्हें पाकिस्तान ने बंधक बना लिया था। हालांकि बाद में भारत उन्हें वापस ले आया।

मैदानी राज्यों में बाढ़ से तबाही

उत्तर-पश्चिम समेत पूरे देश में अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में मानसूनी बारिश का कहर जारी है। झारखंड में मंगलवार को तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। हिमाचल में पहाड़ से ट्रक पर पत्थर गिरने से दो व्यक्ति घायल हो गए। मौसम विभाग ने उत्तर से पश्चिम समेत पूरे देश में अगले पांच से छह दिनों के दौरान भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में वर्षा जनित घटनाओं में अब तक 74 लोगों की मौत हुई है और 34 लापता हैं। राज्य में 435 सड़कें बंद हैं। लाहौल-स्पीति के स्पीति के खुरिक में मंगलवार को बादल फटने से रंगरिक और खुरिक गांव समेत तीन स्थानों में बाढ़ आ गई। इससे कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। खेतों में फैले मलबे के कारण नगदी फसलों को भारी क्षति हुई है। जम्मू के राजोरी में सेना के एक शिविर की 10 फीट ऊंची कार क्षतिग्रस्त हो गईं। कई जगहों पर भूस्खलन हुआ और नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया। महाराष्ट्र के कोंकण, घाट इलाकों और रायगढ़, रत्नागिरी व सिंधुदुर्ग जिलों में ऑरेंज अलर्ट के बीच मंगलवार को झमाझम बारिश हुई। मुंबई, पालघर, ठाणे और कई अन्य जिलों में भी मूसलाधार बारिश दर्ज की गई। इन जिलों में बारिश को लेकर पहले ही यलो अलर्ट जारी किया गया था। स्थानीय अधिकारियों को बाढ़ और यातायात व्यवधान

झारखंड में चार की मौत

अलग अलग जगहों पर बिजली गिरने की घटना हुई। पलामू के सहदेव गांव में खेत में काम करते समय आशा देवी की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। इसी जिले के एक अन्य गांव में मांती देवी, चतरा में बिलासो देवी और हजारीबाग में सुनीता देवी की बिजली गिरने से मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

उदयपुर-शालीमार ट्रेन एक फेरे के लिए रहेगी निरस्त

अनूपपुर। अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।इसी प्रकार बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच तीसरी एवं चौथी रेलवे लाइन परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महत्वपूर्ण परियोजना है यह व्यस्त रेल मार्ग है,जो इस पूरे क्षेत्र को उत्तर एवं दक्षिण भारत से जोड़ती है। परिचालन को और भी सुचारू तथा नई गाडियों के मार्ग प्रशस्त करने के लिए नई लाइनों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे आधारभूत संरचना में तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के साथ यात्री ट्रेनों की समय बद्धता में वृद्धि होगी। इसी क्रम में बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच 206 किलोमीटर चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसमे अब तक 150 किलोमीटर से अधिक का रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है।इसके अंतर्गत बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन के किरोड़ीमल नगर रेलवे स्टेशन को चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। किरोड़ीमल नगर रेलवे स्टेशन को चौथी रेललाइन में जोड़ने का यहा कार्य दिनांक 24 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक (विभिन्न तिथियो में) किया जायेगा। रेल यात्रियो को कम से कम असुविधा हो इसलिए ये कार्य किए जा रहे है।रेल विकास से संबधित इस कार्य के लिए इन ट्रेनों का परिचालन अल्पकालिक बाधित रहेगा एवं इस कार्य के पूर्ण होते ही गाडियों की समयबद्धता एवं गति में तेजी आयेगी। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।वही बिलासपुर-कटनी रेल सेक्शन से निकलने वाली एक ट्रेन भी प्रभावित रहेगी। दिनांक 23 अगस्त 2025 को उदयपुर से चलने वाली 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 24 अगस्त 2025 को शालीमार से चलने वाली 20972 शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

कुछ ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेंगी

अनूपपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास हेतु उत्तर मध्य रेलवे के आगरा रेल मंडल में बाद-मथुरा जंक्शन के बीच तीसरी रेल लाइन को मथुरा स्टेशन से जोड़ने का कार्य किया जायेगा।यह कार्य दिनांक 01 अगस्त से 12 अगस्त 2025 तक किया जायेगा। इस कार्य के पूर्ण होते ही गाडियों की समयबद्धता एवं गति में तेजी आयेगी। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। दिनांक 01 अगस्त 2025 को शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर से चलने वाली 20848 शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नई दिल्ली-गाजियाबाद-मितावली-आगरा होकर रवाना होगी। दिनांक 02 अगस्त 2025 को निज़ामुद्दीन से चलने वाली 22868 निज़ामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग निज़ामुद्दीन-गाजियाबाद-मितावली-आगरा होकर रवाना होगी। दिनांक 01 अगस्त 2025 को विशाखापटनम से चलने वाली 20807 विशाखापटनम-अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग आगरा-मितावली-गाजियाबाद- नई दिल्ली होकर रवाना होगी।

रक्तदान महादानः राघव बियानी ने अपने जन्मदिन पर किया रक्तदान

नगर संवाददाता, सतना।

अपने 19 वे जन्मदिन पर युवा तरुणाई राघव बियानी ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचकर रक्तदान कर पुण्य का कार्य किया।इस अवसर पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर के डॉक्टर एस.सी.राय,लायन अशोक शर्मा, लायन राजेंद्र बियानी,नगर पालिका परिषद अनूपपुर की पार्षद राधिका सुनीता बियानी एवं लैब टेक्नीशियन जिला चिकित्सालय अनूपपुर भाईलाल पटेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राघव बियानी ने रक्तदान करने के पश्चात कहा कि रक्तदान महादान है।यह बहुत बड़ा दान है जो जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचाने में मदद करता है।यह एक ऐसा कार्य है जो किसी बीमारी या घायल व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करता है,खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें रक्त की आवश्यकता होती है,जैसे कि दुर्घटना पीड़ितों,सर्जरी से गुजरने वाले मरीजों या गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान से रक्त की मोटाई कम हो सकती है,जिससे हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है। रक्तदान करने से शरीर में आयरन के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

रक्तदान करने से दूसरों की मदद करने की संतुष्टि मिलती है,जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। रक्तदान करने से शरीर में वसा जमा होने से रोकता है और रक्त बनाने की क्षमता बनी रहती है जिससे व्यक्ति स्वस्थ महसूस करता हैं। रक्तदान एक महान कार्य है,जो जीवन बचाने और दूसरों की मदद करने का एक शानदार तरीका है।यदि आप स्वस्थ हैं,तो रक्तदान करने पर विचार करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

दस्तक अभियान 16 सितम्बर तक

नगर संवाददाता, सतना।

जिले भर में 22 जुलाई से 16 सितम्बर 2025 तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत पाँच साल तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के.वर्मा ने बताया कि दस्तक अभियान के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में प्रशिक्षित दल तैनात किए गए हैं। इस दल में एएनएम,आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं। इनके द्वारा घर-घर जाकर पाँच साल तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी।सभी चिन्हित बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार एवं समुचित उपचार की सुविधा दी जाएगी। बच्चों को विटामिन ए का घोल,जिंक की टैबलेट तथा ओआरएस दिया जाएगा।वजन लेकर भी बच्चों के पोषण स्तर की माप की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दस्तक अभियान में जो बच्चे कुपोषित अथवा बीमार मिलेंगे उन्हें उपचार की सुविधा देने के साथ-साथ उनका लगातार फॉलोअप किया जाएगा। अभियान के दौरान पाँच साल तक के सभी बच्चों में निमोनिया,जन्मजात विकृति एवं बच्चे की वृद्धि में विलंब की भी जाँच की भी की जाएगी।अभियान के दौरान बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण भी किया जाएगा। बच्चों की स्वास्थ्य की जाँच के दौरान सिकल सेल एनीमिया की भी पहचान की जा जाएगी।अभियान के दौरान पाँच साल तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक भी दी जाएगी। अभियान के दौरान प्रत्येक बच्चे के अभिभावक को ओआरएस के दो पैकेट दिए जाएंगे। यदि कोई बच्चा डायरिया से पीड़ित पाया गया तो उसे अतिरिक्त दो पैकेट दिए जाएंगे।बच्चों को जिंक की 14 गोलियाँ भी दी जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग मिलकर अभियान चलाएंगे। इस अभियान में शिक्षा विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग का भी पूरा सहयोग लिया जाएगा।

बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 व एसी-2 कोच की सुविधा

नगर संवाददाता, सतना।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 18247/18248 बिलासपुर-रीवा- बिलासपुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 एवं एक अतिरिक्त एसी-2 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है।

यह सुविधा बिलासपुर से 27 जुलाई 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक एवं रीवा से दिनाँक 28 जुलाई 2025 से 01 नवम्बर 2025 तक उपलब्ध रहेगी।इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

यातायात हाईवे चौकी ने लगाई ट्रैफिक पाठशाला नशामुक्ति जागरूकता अभियान का किया आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन में यातायात हाईवे चौकी ने ट्रैफिक पाठशाला लगाकर जहां ट्रैफिक के नियमों से लोगों को अवगत कराया,वही नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाकर नशा के खिलाफ लोगों को जानकारी दी एवं इससे दूर रहने की अपील की। इस जागरूकता अभियान में 150 छात्रों ने सीखी सड़क सुरक्षा और नशे से दूर रहने की सीख। हाईवे चौकी फुनगा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फुनगा में ट्रैफिक पाठशाला एवं नशामुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।150 से अधिक विद्यार्थियों ने इन अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यातायात हाईवे चौकी टीम ने छात्रों को यातायात नियमों, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग और नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को नियमित यातायात पालन और नशा न करने की शपथ दिलाई गई।

छग.के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने स्व. डॉ. गणेश चटर्जी को दी श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता, सतना।

छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव (बाबा साहब) अंबिकापुर जाते समय कुछ देर के लिए अनूपपुर में रुके।जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व पार्षद एवं कुशल चिकित्सक स्वर्गीय डॉ.गणेश चटर्जी के निवास पर पहुंचकर उनके फोटोचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं परिवारजनों से मिलकर अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट की। ज्ञातव्य हो की एडवोकेट वासुदेव चटर्जी के चाचा डॉ.गणेश चटर्जी का स्वर्गवास कुछ दिनों पूर्व हो गया था। आप वरुण चटर्जी के पिताजी एवं एडवोकेट वासुदेव चटर्जी, सुदेव चटर्जी, देव चटर्जी के चाचा थे।

किसान 31 तक करा सकते हैं अपनी फसल का बीमाः उप संचालक

नगर संवाददाता, सतना।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों के लिये बीमा पंजीयन प्रारंभ हो गया है। किसान अपनी खरीफ फसल का 31 जुलाई तक बीमा करा सकते हैं। खरीफ मौसम में सभी दलहन, तिलहन फसलों का 2 प्रतिशत प्रीमियम किसान को देना होगा। शेष प्रीमियम राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अनूपपुर ने बताया है कि योजना के प्रावधान अधिसूचित क्षेत्रो में अधिसूचित फसले उगाने वाले बटाईदारो और कास्तकारो सहित किसान अपनी फसलो का बीमा कवरेज प्राप्त करने हेतु पात्र है। योजना सभी कृषको हेतु स्वैच्छिक रखी गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषको की फसलो का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जावेगा। कृषक अपनी अधिसूचित फसलों का फसल बीमा अपने नजदीकी बैंक शाखा एवं कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से करा सकते है।अऋणी कृषक भू अधिकार पुस्तिका, आधार कार्ड, बुवाई प्रमाण पत्र, बैंक खाता की छायाप्रति ले जाकर अपना फसल बीमा करा सकते है।इस संबंध में जानकारी के लिये किसान कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं।

उप संचालक ने कृषकों से अपील की है कि फसल बीमा का लाभ लेने के लिये अधिसूचित क्षेत्र में बोई गई अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराये।

सीईओ ने जनसुनवाई में 64 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नगर संवाददाता, सतना।

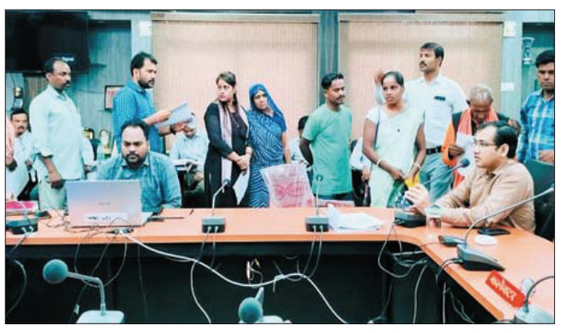

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने 64 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी अंजली द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा अजीत तिर्की, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ सुधाकर सिंह बघेल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी।

जनसुनवाई में ग्राम बरबसपुर तहसील अनूपपुर की कलावती रौतेल ने पट्टे की भूमि का नामांतरण किए जाने,ग्राम कोदैली तहसील अनूपपुर की उर्मिला देवी ने पट्टे की भूमि का नक्शा तरमीम किए जाने,बदरा निवासी ओमवती सुमेर ने जाति प्रमाण पत्र बनवाए जाने,ग्राम उमरिया तहसील जैतहरी की रेखा बाई ने गरीबी रेखा की सूची में नाम जुड़वाए जाने,वार्ड नं.14 पुरानी बस्ती अनूपपुर के अनिल विश्वकर्मा ने शौचालय बनवाने हेतु सहायता राशि दिलाए जाने, वेंकटनगर तहसील जैतहरी की गुड्डी बाई ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।

मझौली बस स्टैंड के पास पलटा ट्रैक्टर, मजदूर की दर्दनाक मौत

नगर संवाददाता, सतना।

उमरिया जिले के मानपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत इंदवार थाना क्षेत्र के ग्राम पनपथा से सटे ग्राम मझौली बस स्टैंड के करीब सोमवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में गरीब मजदूर सुमित उर्फ लल्लू दाहिया पिता सुरेश दाहिया की मौके पर ही तड़प कर मौत हो गई प्राप्त जानकारी अनुसार वाहन मालिक द्वारा लापरवाही बरतते हुए ट्रैक्टर के बड़े वाले टायरों में कैचव्हील लगे इंजन में टाली फांद कर चालक को सौंप दिया गया वहीं दूसरे गांव से ट्रैक्टर की टाली में सीमेंट लोड करा कर ड्राइवर गांव के निर्माणाधीन किसी लाज की ओर जा रहा था तभी रास्ते में मझौली बस स्टैंड के समीप तेज गति से चल रहा ट्रैक्टर की सीमेंट लोड टाली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे सुमित ट्रैक्टर वा ट्राली की चपेट में आ गया और अपनी जान गंवा बैठा बताया जा रहा है कि यह ट्रैक्टर स्थानीय एक मोटर मालिक का था। सुमित दाहिया रोज की तरह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार के सपनों को ढोने निकला था, लेकिन किसे पता था कि यह सफर उसका अंतिम सफर बन जाएगा घटना से गांव में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद जीवन की आस में परिजन मृतक को मानपुर अस्पताल भी लेकर गए थे,परन्तु चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फुनगा प्रभारी प्रबंधक व लिपिक पर आपराधिक प्रकरण दर्ज

नगर संवाददाता, सतना।

अनूपपुर जिले के सहकारी समिति फुनगा के प्रभारी प्रबंधक राष्ट्रीय राजमार्ग 43अवैध भूमि में निर्मित अपने निजी मकान के अवैध गोदाम में सैकड़ों बोरी खाद एवं धान बीज भंडारण कर किसानों को लूट रहा था। इस मामले को लेकर क्षेत्र के किसानों ने कलेक्टर से शिकायत किया किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने जांच टीम बनाकर जांच कर कर तुरंत कार्रवाई कर दिया। जांच टीम ने प्रबंधक को दोषी पाए जाने पर तहसीलदार ईश्वर प्रधान एवं प्रशासक अनुज ओहदार द्वारा पुलिस चौकी फुनगा में अपराधिक प्रकरण दर्ज करवाया गया है। जिले के विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर अंतर्गत तहसील अनूपपुर के उप तहसील फुनगा के आदिम जाति सहकारी समिति के प्रबंधक यादुवेंद्र गौतम ने अपने कार्यालय एवं खाद्य गोदाम से दूर एक अवैध गोदाम में सैकड़ो बोरी खाद एवं धान का बीज अवैध तरीके से भंडारण कर शासन को चूना लगा रहा था,वही किसान खाद बीज के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे थे जब किसानों को खाद नहीं मिला तो क्षेत्र के किसानों ने 18/7/25 को कलेक्टर हर्षल पंचोली को शिकायत कर बताया कि एक अवैध गोदाम में खाद का भंडारण है लेकिन प्रबंधक द्वारा हम लोग को खाद नहीं दिया जा रहा। कलेक्टर श्री पंचोली ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच टीम बनाकर तत्काल फुनगा के लिए रवाना किया। अवैध गोदाम में सैकड़ो बोरी खाद एवं धान बीज का भंडारण पाया गया।

आस्था

पवित्र श्रावण मास में नगर में भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन

कावड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का किया अभिषेक

नगर संवाददाता, सतना।

पवित्र श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को खंड पार्थिवेशवर विवाह उत्सव समिति मानपुर के द्वारा कावड़ यात्रा नगर के हृदय स्थल रामलीला मैदान से शुरु की गई कावड़ यात्री देवों के देव महादेव भगवान शिव के जयघोष नारे के साथ ढोल नगाड़े और डीजे की धुन में मग्न दिखाई दिए कांवड़ यात्रा का नगर में कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कांवड़ यात्रा में शामिल कावड़िये ज्वालामुखी मंदिर स्थित चरणगंगा नदी पर विधि विधान एवं पूजा अर्चना के साथ कांवड़ में जल भरकर वापस आकर मढिया धाम मानपुर में स्थित शिव मंदिर में देवों के देव महादेव भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ा अभिषेक किए ।

चरण गंगा नदी ज्वालामुखी से अभिषेक के लिए जल लेकर लौट रहे कावड़ियों का नगर के बस स्टैंड सहित कई स्थानों पर नगर परिषद के वाटर कैनन के द्वारा शीतलता प्रदान करते हुए सभी कावड़ियों का स्वागत किया गया मडिया धाम मानपुर में कावड़ियों के जल चढ़ाने और अभिषेक करने के बाद सभी कावड़ियों एवं नगर वासियों को भंडारा प्रसाद की व्यवस्था भी खंड पार्थेश्वर विवाह उत्सव समिति के द्वारा की गई थी।

आपको बता दें कि खंड पार्थिवेशवर विवाह उत्सव समिति मानपुर विगत दो-तीन वर्षों से पवित्र श्रावण मास में कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है जिसमे मुख्य रूप से अनिरुद्ध गुप्ता, कमलेश यादव लाल, बसंत नामदेव, सचिन बबलू यादव, रिंकू विश्वकर्मा बबलू शुक्ला विकास शुक्ला मुन्ना गुप्ता शालू गुप्ता शिवम यादव अनीश विश्वकर्मा शिवम नामदेव आदि समिति के सदस्य का योगदान रहता है। नगर के कई प्रबुद्ध जन समाजसेवी लोगों ने ऐसे धार्मिक आयोजन समय-समय पर करने के लिए खंड पार्थेश्वर विवाह उत्सव समिति के सभी सदस्यों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कावड़ यात्रा में कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन से प्राप्त सहयोग के लिए खंड पार्थेश्वर विवाह उत्सव समिति के सभी सदस्यों ने पुलिस प्रशासन का भी अंतर्मन से धर्म धन्यवाद जपित किया है।

पहलवानों ने एक दूसरे को दी पटखनी

नगर संवाददाता, सतना।

अनूपपुर जिले के नगर पालिका परिषद पसान द्वारा ओपन महिला/पुरुष कुश्ती(दंगल) का किया गया शानदार आयोजन, हजारों की संख्या में लोग रहे उपस्थित, राजस्थान,मध्य प्रदेश, बिहार झारखंड उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से पहुंचे थे महिला एवं पुरुष पहलवान, कार्यक्रम की शुरुआत नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह के द्वारा दोनों पहलवानों को फूल माला पहना कर आयोजन का शुभारंभ किया ,20 जुलाई और 21 जुलाई तक 2 दिवसीय चलने वाले दंगल का आज समापन हुआ,यह दंगल देखने के लिए अनूपपुर जिले के दूर-दूर से दर्शक पहुंचे थे, नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने कहा हर वर्ष की भांति इस बार भी दंगल का आयोजन किया गया है भालूमाड़ा रामलीला मैदान में दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि कभी भारतीय खेल में सबसे लोकप्रिय खेल रही कुश्ती कालांतर में विलुप्त के कगार पर है। यह खेल हमारे देश का धरोहर है इसको संयोजन करने का एकमात्र उपाय ऐसे ही प्रतियोगिता का आयोजन कर किया जा सकता है ।

संक्षिप्त समाचार

सीएम राइज़ संदीपनि में हेड मास्टर ने मास्टर को लात घूसों से पीटा

रीवा संवाददाता। सीएम राइज़ संदीपनि विद्यालय मनगवां में हेडमास्टर ने मास्टर की विद्यालय कार्यालय के अंदर लात घूसों से जमकर मारपीट कर दी। साथ ही अश्लील गालियां बकते हुये जान से मारने की धमकी दी। हेडमास्टर की पिटाई से मास्टर के एक हांथ की उँगली टूटने की ख़बर है जिसका उपचार रीवा के अस्पताल में किया गया है। इस घटना के बाद पीड़ित जो की प्राथमिक प्रधान अध्यापक बाल्मीक प्रसाद तिवारी के शिकायत के बाद मनगवां थाना की पुलिस ने आरोपी प्रधानाध्यापक दयाशंकर त्रिपाठी के खिलाफ़ बीएसएनएल की धारा 296 एवं 115 (2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है । घटना के बाद से हेडमास्टर साहब फ़रार बताए गए हैं वहीं सीएम राइज़ सॉदीपनि के प्रिंसिपल केसी अवधिया ने इस घटना की शिकायत वरिष्ठ कार्यालय में किए जाने की बात कही है। बताते हैं कि मनगवां विद्यालय का भवन देखने में जरुर अलीशान बन गया है जिसके बाद से इस स्कूल में दाखिल होने वाले छात्रों की तादाद लगातार हज़ारों की संख्या में बढ़ गई है लेकिन अब जो देखने को पहले नही मिला वह अब प्रगतिशील कहे जाने वाले विद्यालय मे देखने को मिलना शुरू हो गया हैं। विद्या के मंदिर में छात्र और छात्राओं के आँखों के सामने एक शिक्षक दूसरे शिक्षक को लात घूँसों से पीट रहा है और माँ बहन की गालियाँ दे रहा हैं तो ऐसी स्थित में क्या माना जाएगा कि छात्रों के भविष्य के लिए बेहतर शिक्षा व संस्कार इसविद्यालय में मिल पायेगा।

टोल प्लाजा हनुमना में गुंडाराज लठैत करते हैं अवैध वसूली

- सियासत और पुलिस में मैनेजर का तगड़ा मैनेजमेंट, नहीं होती कार्रवाई

रीवा, नगर संवाददाता।

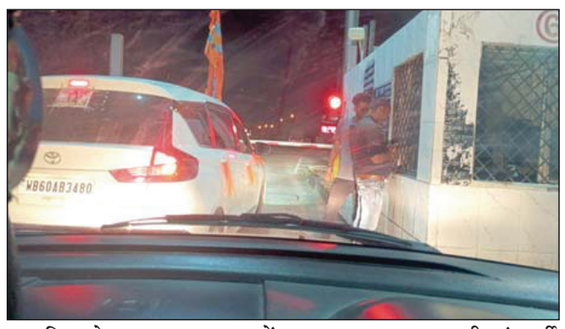

रीवा-मऊगंज जिला ही नहीं वरन् अन्यत्र स्थानों में संचालित टोल प्लाजा गुंडागर्दी का प्लाजा बनकर रह गए हैं। ऐसा लगता है कि मानों सरकार ने ठेका कंपनी को टोल टैक्स वसूलने का नहीं बल्कि यात्रियों के साथ गुंडागर्दी करने का ठेका दे रखा है? उससे भी बड़ी हैरानगी वाली बात यह है कि टोल प्लाजा में आम हो चुकी गुंडागर्दी एवं अराजकता पुलिस को न तो दिखाई देती है और न ही ऐसी किसी शिकायत पर कार्यवाही करती है। पुलिस की उदासीनता कहें इसे या फिर पुलिस की शह जिसके कारण टोल प्लाजा में टैक्स वसूली की आड़ में जबरन व मनमानी वसूली करने वालों का मनोबल बढ़ा हुआ है और बेखौफ अराजकता की जा रही है? कुछ ऐसा ही वातावरण मसुरिहा टोल प्लाजा हनुमना में बना हुआ है। ठेका कंपनी ने आधा सैकड़ा की संख्या में प्राइवेट गुर्गे पाल रखे हैं जो यात्रियों पर कहर बनकर टूटते हैं। दीगर प्रांतों के वाहनों से निर्धारित टोल टैक्स से दोगुना-तिगुना टैक्स वसूला जाता है किन्तु कम्प्यूटर में निर्धारित रेट की ही प्रविष्टि की जाती है।

टोल प्लाजा में व्याप्त मनमानी के विरोध का मतलब है कि उसे यात्री या अन्य संबंधी जन का दुस्साहस समझ लिया जाता है और उसका मानमर्दन सीसीटीवी कैमरे बंद कराकर किया जाता है ताकि शिकायत होने पर कोई सबूत न मिले। बाहरी भार वाहन चालक अक्सर इनकी गुंडागर्दी का कोपभाजन बनते हैं। बताया जाता है कि टोल प्लाजा मैनेजर की गहरी पैठ सियासत व पुलिस विभाग में है जिसके कारण मारपीट के शिकायती मामलों में कहीं कोई सुनवाई नहीं हो पाती है। मैनेजर ने पूरे सिस्टम को मैनेज कर रखा है।

दिखावे का धर्मकांटा

मसुरिहा टोल प्लाजा हनुमना का गुंडाराज जिला व पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती है। अभी उसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। मगर जिस दिन आमजनता का धैर्य जबाव दे जाएगा और उसका आक्रोश ज्वालामुखी बनकर फटेगा तब पूरा प्रशासनिक तंत्र होश में आ जाएगा।

पब्लिक की सहनशक्ति धरती की तरह है और जब सहने की क्षमता खत्म हो जाती है तो वह संतुलन बनाने का इलाज ढूंढ़ निकालती है। खबर है कि इस टोल प्लाजा में सरकार की गाइडलाइन का अक्षरशः पालन नहीं हो रहा है। ओवरलोड वाहनों की तौल के लिए स्थापित धर्मकांटा महज दिखावे के लिए हैं। वह शोपीस बनकर रह गया है। बिना तौल कराए ही वाहनों से मनमानी वसूली की जाती है।

नियमतः स्थानीय 8 किलोमीटर के दायरे में निवासरत लोगों के वाहनों के लिए टोल टैक्स में छूट का प्रावधान है लेकिन हनुमना टोल प्लाजा में ठेका कंपनी एवं टोल प्लाजा मैनेजर के खुद के बनाए नियम उनके प्राइवेट गुर्गे लाठी-डंडों की दम पर यात्रियों से फॉलो कराते हैं।

हनुमना के सामाजिक लोगों ने क्षेत्रीय विधायक का ध्यान आकृष्ट कराते हुए टोल प्लाजा में हो रही अवैध वसूली को पूर्णतः बंद कराने की मांग की है।

फास्टैग न होने पर कांवड़ियों से वसूली

गौरतलब है कि फास्टैग एक इलेक्ट्रानिक टोल कलेक्शन सिस्टम होता है, जिसके अभाव में वाहनां से दोगुना टैक्स वसूला जाता है। हनुमना टोल प्लाजा में टोल वसूली का कोई पैरामीटर नहीं है। स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी अनुसार रविवार की रात 8 बजे इनोवा कार क्रमांक डब्ल्यूबी 60 एबी 3480 में सवार बोल बम कांवड़िये उत्तरप्रदेश की सीमा से म.प्र. में प्रवेश हो रहे थे जिनके वाहन में फास्टैग न होने पर उनसे दोगुना टोल वसूला गया। टोल प्लाजा हनुमना में मैनेजर के लठैत हर वक्त तैयार रहते हैं। विवाद को टालने के लिए बहुतेरे तो जितना प्राइवेट गुर्गे बोल देते हैं उतना टोल टैक्स भर चुपचाप निकल जाते हैं। जबरन और अवैध वसूली वाहनों के पास जाकर की जाती है और वाहन चालकों से कैश लिया जाता है।

अमृततुल्य चाय दुकान का संचालक है रेलवे कर्मचारी?

- नियमों की धज्जियां उड़ा चल रहा था व्यापार
- अमहिया पुलिस ने की कार्यवाही

रीवा, नगर संवाददाता। शहर के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत अमृततुल्य चाय की फ्रेंचाइजी लेकर चाय की दुकान में गुटखा सिगरेट सहित धूमपान कराए जाने की शिकायत पर अमहिया पुलिस ने प्रशासनिक अमले के साथ बीती शाम कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि दुकान संचालक अंकित अग्रवाल रेलवे का कर्मचारी है, जो भोपाल में पदस्थ है। आसपास के दुकानदारों ने मामले की शिकायत की थी, जिसमे बताया गया था कि चाय दुकान में बड़ी संख्या में युवाओं सहित लोगों का आना जाना देर शाम तक होता है, जो धूम्रपान करते है। शिकायत के बाद अमृततुल्य चाय दुकान में पुलिस ने प्रशासनिक अमले के साथ दबिश दी जहां नियम विरुद्ध तरीके से गुटखा, तम्बाखू धूम्रपान करते युवक मिले साथ ही बाल कामगार भी मौके पर मिले है। अमहिया पुलिस के साथ सोमवार की शाम की गई कार्रवाई में नगर निगम, पुलिस, राजस्व और स्वास्थ्य विभाग की टीम शामिल रही। इस दौरान मौके पर ही पंचनामा तैयार कर आगे की कार्रवाई की गई है। अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला के नेतृत्व में अलग-अलग विभागों के सदस्यों की एक टीम गठित कर सिरमौर चौराहा में संचालित अमृत तुल्य चाय दुकान में छापा मार कार्रवाई की गई है। अमृत तुल्य चाय के नागपुर स्थित हेड आफि स के मालिस से भी फोन पर संपर्क किया गया जिन्होने बताया कि अमृत तुल्य चाय दुकान में सिर्फ चाय बेचने का नियम है, साथ ही अन्य गुटखा सहित धूमपान सामग्री नहीं बेची जा सकती, इसके बावजूद दुकान में नियमों के विपरीत गुटखा सहित धूम्रपान सामग्री बेची जा रही थी। उन्होंने बताया कि दुकान संचालक को लेकर आसपास के लोगों द्वारा शिकायत की गई थी जिसके बाद टीम द्वारा कार्रवाई की गई है।

बेलगाम हुई ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने सड़क पर उतरीं थाना प्रभारी

यातायात व्यवस्था की सिरदर्द बनी शहर में सवारी से ज्यादा दौड़ रही आटो रिक्शा

- मंगलवार के दिन हुई ताबड़तोड़ कार्यवाही, मचा हड़कम्प
- अपराध ग्राफ बढ़ाने में इनकी रहती है अहम भूमिका

रीवा, नगर संवाददाता।

ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को शहर की सड़कों पर बेलगाम होकर दौड़ रहे ई रिक्शा पर कार्रवाई शुरू की। बहुतायत में ई- रिक्शा की स्टेयरिंग नाबालिग बच्चों के हाथ में मिली। लाइसेंस तक इनके नहीं बने है, इसके साथ ही कई ई रिक्शा बिना बीमा और रजिस्ट्रेशन के सड़कों पर दौड़ते मिले। परिवहन विभाग के मुताबिक रीवा में तकरीबन 4000 की संख्या में ई रिक्शा का संचालन किया जा रहा है, जिनमें अधिकांश चालक नाबालिक है, अधिकांश बिना ड्राइविंग लाइसेंस के ही ई रिक्शा दौड़ा रहे है।

इसके अलावा इनका ना तो कहीं स्टॉपेज है और ना ही कोई नियम,ऐसे में ई रिक्शा शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सबसे बड़ी बाधा बने हुए है। नियम विरुद्ध तरीके से दौड़ रहे ई रिक्शा पर शिकंजा कसने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान की शुरुआत की, जिनकी धड़पकड़ कर दस्तावेजों को चेक करने के साथ साथ नियमों का पालन करने की हिदायत दी जा रही है। यातायात पुलिस ने शहर के अलग-अलग स्थानों से शुरू की गई इस कार्यवाही के दौरान सैकड़भर वाहनों को पकड़ा गया। कार्यवाही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ट्रैफिक थाना प्रभारी अनीमा शर्मा सहित ट्रैफिक सूबेदार अखिलेश कुशवाहा और अंजलि गुप्ता द्वारा की जा रही है। कार्रवाई के संबंध में ट्रैफिक थाना प्रभारी अनिमा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर नियम विरुद्ध दौड़ रहे ई रिक्शा चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अकेले रीवा जिले में तकरीबन 4000 की संख्या में ए-रिक्शों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें अधिकांश चालक नाबालिग है जो बिछिया और घोघर के है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सबसे बड़ी बाधा ई रिक्शा बने हुए हैं, जो कहीं भी, किसी भी जगह सवारी उतारने और बैठने का काम करने लगते हैं। फिलहाल इसके संबंध में उनके द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर इनके रूट निर्धारित करने और नंबरिंग करने के सुझाव दिए गए हैं।

फिलहाल शहर की सड़कों में बेलगाम हो चुके ई रिक्शा चालकों पर शिकंजा कसने के लिए विभिन्न मार्गों और चौराहों पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर वाहनों की न सिर्फ धड़ पकड़ की जा रही है, बल्कि उनके दस्तावेजों की जांच पड़ताल कर चालानी कार्रवाई भी की जा रही है।

अधिक लाभ कमाने एजेंसी संचालक ही किराये पर चला रहे ई-रिक्शा

ट्रैफिक पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कई ई रिक्शा ऐसे भी मिले जो बिना रजिस्ट्रेशन के सड़कों पर दौड़ते मिले। चर्चा है कि शहर में बड़ी संख्या में ई रिक्शा की एजेंसी खोली गई है, जिस अनुपात पर ई रिक्शा की एजेंसी है उस हिसाब से उनकी बिक्री नहीं हो रही ऐसे में एजेंसी संचालक तीन सौ रुपए प्रतिदिन के हिसाब से किराए पर ई रिक्शा नियम विरुद्ध तरीके से चलवा रहे है। हालांकि जब एजेंसी संचालकों से पुलिस ने इस संबंध में बात की तो उनका जवाब था कि पूरा पैसा नहीं मिलने से उनका रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका है। फिलहाल शहर में ई रिक्शा की संख्या सड़कों पर बड़ी तेजी से बढ़ रही है, साथ ही बिना लाइसेंस कई नाबालिग सड़कों पर ई रिक्शा चलाते नजर आते है, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

महिलाओं व बच्चों के साथ रास्ता मांगने कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण

- ग्राम पंचायत बैसा का मामला: सौ वर्ष पुराना मार्ग हुआ बंद

रीवा, नगर संवाददाता।

मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय रीवा में आयोजित जनसुनवाई में जनपद रीवा की ग्राम पंचायत बैसा के काफी संख्या में ग्रामीण जिनमें महिलाएं एवं स्कूली बच्चे भी शामिल रहे, पहुंचे और उन्होंने प्राचीन तालाब की मेड़ से 110 मीटर रोड निर्माण की जिला प्रशासन से मांगी। क्षेत्रीय सरपंच शुभम पाण्डेय के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि प्राचीन तालाब बैसा की मेड़ से आवागमन के लिए सौ वर्ष पुराना रास्ता है जिसे अवरुद्ध किया जा रहा है। बस्ती में अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के लगभग दो सैकड़ा घर हैं जो आवागमन का रास्ता बंद हो जाने से प्रभावित हैं। उनके सामने आवागमन का संकट खड़ा हो गया है। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी मांग के पक्ष में नारेबाजी भी की। ग्रामीणों की शिकायत है कि शासकीय जमीन का निजी पट्टा करा लिया गया है और अब सैकड़ों वर्ष पुराना रास्ता बंद कर दिया गया है। रास्ता के अभाव में बस्ती के लोग कहीं भी आ-जा नहीं सकेंगे। ग्रामीणों के मुताबिक प्राचीन तालाब की मेड़ से गुजरने वाले जिस रास्ते को बंद किया जा रहा है, वह उनके पूर्वजों के जमाने से है।

सरकारी जमीन प्राइवेट कैसे हो गई

रास्ते के लिए कलेक्टर रीवा से फरियाद एवं सड़क निर्माण की स्वीकृति की दरख्वास्त लेकर ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे बैसा सरपंच शुभम पाण्डेय ने बताया कि 4-5 पंचवर्षीय पूर्व तालाब की मेड़ से गुजरने वाले रास्ते में मिट्टी व मुरुमीकरण का कार्य कराया गया था। शासकीय भूमि पर जब मुरुमीकरण का कार्य कराया गया होगा तब निश्चिततौर पर जमीन का खसरा दर्शाया गया होगा? शासकीय जमीन आखिरकार किस आधार पर प्राइवेट लैण्ड में तब्दील हो गई? तालाब की मेड़ को वंशपति पटेल ने खरीद लिया है जिनके द्वारा रोड निर्माण में बाधा उत्पन्न की जा रही है।

हम पैसा नहीं, रास्ता मांग रहे

सरपंच शुभम पाण्डेय का कहना है कि 100 मीटर कंक्रीट सड़क के लिए हमें जिला प्रशासन से सिर्फ स्वीकृति चाहिए। हम सड़क मांग रहे हैं, पैसा नहीं, क्योंकि सड़क का निर्माण हम स्वतः कराएंगे। उन्होंने बताया कि जब रास्ते के कंक्रीट करने की बात सामने आई तभी से अमुक शख्स द्वारा बाधा उत्पन्न की जा रही है। उन्होंने बताया कि एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए रास्ता के अभाव में खाट पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ा। इसी प्रकार एक महिला को सांप ने काट लिया तो उसे अस्पताल ले जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पेंसनर्स समाज रीवा के कार्यकारिणी समिति पदाधिकारियों की चुनाव प्रक्रिया तेज

- जारी की गई तिथि और समय सारणी

रीवा, नगर संवाददाता। पेंसनर्स समाज रीवा के प्रबंध कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों के चुनाव प्रक्रिया की तैयारी चल रही है। चुनाव को लेकर समयसारणी तैयार की गयी है। इस संबंध में निर्वाचन अधिकारी पेंसनर समाज रीवा मधू सिंह द्वारा जारी किये गये प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 7 अगस्त 25 को दिन के 12 बजे से 3 बजे अपरान्ह तक नामांकन पत्र जमा कराया जायेगा। उसी दिन 3 बजे से 3.30 बजे तक नामांकन पत्र की जांच की जायेगी।

7 अगस्त को ही साढ़े 3 बजे से 5 बजे शाम तक नामांकन पत्र वापसी का समय रहेगा। इसी तारीख को शाम साढ़े 5 बजे नामांकन पत्रों के अंतिम सूची की घोषणा की जायेगी। 11 अगस्त 25 को सुबह 9 बजे से 4 बजे तक चुनाव मतदान किया जायेगा। उसी दिन साढ़े 4 बजे से मतों की गणना की जायेगी और मतगणना समाप्त के तत्काल बाद परिणाम की घोषणा की जायेगी। श्रीमती सिंह ने बताया कि चुनाव की समस्त प्रक्रिया भारत पेंसनर्स समाज रीवा के शिल्पी प्लाबा बी-ब्लाक द्वितीय तल एसबीएच-5 स्थित कार्यालय में सम्पन्न होगी।

गड़बड़ी

विधिवत लोकार्पण की आज भी दरकार : सिक्सलेन सड़क के उड़ रहे परखच्चे

14.56 करोड़ के फ्लाई ओवर निर्माण में आर्थिक भ्रष्टाचार, ईओडब्ल्यू में की गई शिकायत

- अधिवक्ता मानवेन्द्र केन्द्र व राज्य सरकार तक पहुंचा चुके शिकायत

रीवा, नगर संवाददाता।

करोड़ों की लागत से निर्मित फ्लाईओवर से गुजरने वाली सिक्सलेन सड़क की गुणवत्ता कुछ माह में ही जगह-जगह से मुंह चिढ़ाने लगी है। सड़क के चीथड़े निकल आए हैं। सिक्सलेन सड़क की मौजूदा हालत से फ्लाईओवर निर्माण की गुणवत्ता का सहज अनुमान लगाया जा सकता है? फिलहाल इस मामले की केन्द्र व राज्य सरकार से लेकर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) रीवा में भी की गई है। शिकायतकर्ता द्वारा इसे आर्थिक भ्रष्टाचार बताया गया है। शिकवा-शिकायत तो अपनी जगह है लेकिन अधिकांश लोगों को यह पता नहीं होगा कि जिस फ्लाईओवर को लेकर ईओडब्ल्यू में शिकायत की गई है उसका विधिवत लोकार्पण आज तक नहीं हो सका है। लोकार्पण की रस्मअदायगी जरूर हुई है। प्रयागराज महाकुंभ आरंभ से पूर्व ट्रायल में इस फ्लाईओवर को शुरू किया गया था, जो निरंतर जारी है। लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में इसे शामिल किया गया लेकिन इसके विधिवत् लोकार्पण की दरकार अभी भी है तथा दुर्भाग्यवश सड़क के परखच्चे उड़ने लगे हैं। समाचार में जिस फ्लाईओवर की तथाकथा का जिक्र हो रहा है वह रीवा-प्रयागराज हाइवे पर स्थित मनगवां के फ्लाईओवर का है। ईओडब्ल्यू रीवा में शिकायत प्रस्तुत कर अधिवक्ता मानवेन्द्र द्विवेदी ने आरोप लगाया है कि बमुश्किल 6 माह पूर्व 14.56 करोड़ की लागत से निर्मित फ्लाईओवर मनगवां की सिक्सलेन सड़क का कचूमर निकल आया है। गिट्टी-मिट्टी आदि सबकुछ बाहर आ गया है जिससे आवागमन जोखिम भरा हो गया है। उन्होंने कहा है कि यातायात के भारी दबाव से निजात दिलाने के उद्देश्य से मनगवां में तिवनी मोड़ के समीप शासन द्वारा फ्लाईओवर का निर्माण कराया गया है। जनवरी-फरवरी माह से आरंभ इस फ्लाईओवर की सड़क जगह-जगह उखड़ गई है। कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है।

ईश्वर के भरोसे आवागमन

मनगवां फ्लाईओवर की दुर्दशा की शिकायत केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय एवं मुख्यमंत्री म.प्र. शासन तक पहुंचा चुके अधिवक्ता द्विवेदी ने एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के अधिकारियों एवं ठेका कंपनी को प्रत्यक्ष तौर पर आरोपों के कटघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि फ्लाई ओवर का गुणवत्ताविहीन निर्माण हुआ है जो आर्थिक भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है।

शिकायतकर्ता अधिवक्ता ने बताया कि उन्होंने रीवा ईओडब्ल्यू एसपी से मुलाकात कर शिकायती आवेदन सौंपा है जिस पर उन्होंने आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है। उनका कहना है कि फ्लाईओवर से आवागमन ईश्वर के भरोसे ही हो रहा है, अचरज नहीं होगा यदि कोई गंभीर हादसा होता है? उन्होंने नेशनल हाइवे 30 पर बने मनगवां फ्लाईओवर के गुणवत्ता की जांच तथा आर्थिक भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदारों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की है।

ज्ञात हो कि इसमें कोई संशय नहीं है कि मनगवां-तिवनी मोड़ डेंजर प्वाइंट रहा है। आए दिन सड़क लहूलुहान होती थी। फ्लाई ओवर सहित सिक्सलेन सड़क के निर्माण से यातायात का दबाव काफी हद तक कम हुआ है।

सचिव मंगल एक हजार की रिश्वतखोरी में मंगल को हुए ट्रेप

- नवागत लोकायुक्त एसपी पाटीदार के कार्यकाल में कार्रवाई का हुआ श्रीगणेश

रीवा, नगर संवाददाता।

लोकायुक्त रीवा की टीम ने आज एक पंचायत सचिव को ट्रेप किया है और इसी के साथ नवागत एसपी सुनील पाटीदार के कार्यकाल में कार्रवाई का श्रीगणेश हो गया। ईओडब्ल्यू भोपाल से स्थानान्तरित होकर रीवा आए सुनील कुमार पाटीदार ने लोकायुक्त संभाग रीवा के पुलिस अधीक्षक का पदभार कुछ दिनों पूर्व ही ग्रहण किया है। एसपी पाटीदार के प्रभावी निर्देशन में ट्रेप की कार्रवाई शहडोल जिले के गोहपारू में हुई है। जिसे डीएसपी प्रवीण सिंह परिहार के नेतृत्व में गठित 12 सदस्यीय टीम द्वारा अंजाम तक पहुंचाया गया। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार गोहपारू थानान्तर्गत ग्राम टेटकी निवासी धीरेन्द्र कुमार सिंह तनय तेज बहादुर सिंह 26 वर्ष द्वारा लोकायुक्त कार्यालय रीवा में उपस्थित होकर गोहपारू सचिव मंगल यादव के खिलाफ शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया गया था। शिकायत में बताया गया कि पंचायत सचिव द्वारा दुकान में विद्युत मीटर लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के एवज में डेढ़ हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है। पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त संभाग रीवा द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया। शिकायत सत्यापन के दौरान अपचारी सचिव ने 500 रुपए ले लिए। शेष 1000 रुपए की अदायगी के लिए 22 जुलाई को बुलाया गया था। आरोप प्रमाणित होने पर सचिव के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर ट्रेप आयोजित किया गया जो सफल रहा।

पंचायत कार्यालय के बाहर हुई कार्रवाई

ग्राम पंचायत सचिव गोहपारू को मंगलवार की शाम लगभग 6 बजे पंचायत कार्यालय के बाहर (सामने) एक हजार रुपए की रिश्वतखोरी में रंगेहाथ पकड़ा गया है। सचिव मंगल यादव के लिए मंगल ठीक नहीं रहाद्ध एसपी पाटीदार के कार्यकाल तथा इस जुलाई माह की लोकायुक्त रीवा द्वारा कृत यह पहली ट्रेप कार्रवाई है। ईओडब्ल्यू भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक रहे पाटीदार के अनुभव ने बोलना शुरू कर दिया है। फलतः भ्रष्टाचार परजीवियों को खतरा भांप लेना चाहिए।

संपादकीय

सवालों का मानसून

संसद का मानसून सत्र शुरू हो गया है, लेकिन क्या संसद का मानसून सत्र सुचारू रूप से चल पाएगा, बहस और विमर्श के जो मुद्दे और विषय हैं, क्या उन पर हंगामा नहीं होगा? संसद की कार्यवाही बाधित नहीं होगी और बार-बार सदन स्थगित करने की नौबत नहीं आएगी? ये कुछ अहम सवाल हैं, जो संसद के प्रत्येक सत्र से पहले उठाए जाते रहे हैं। दरअसल ये सवाल अनिवार्य हो गए हैं, क्योंकि यह परंपरा बन चुकी है कि संसद की कार्यवाही के दौरान विपक्ष का हंगामा, नारेबाजी, पोस्टरबाजी करनी ही है। इस संदर्भ में आज का विपक्ष अरुण जेटली और सुषमा स्वराज के पुराने बयानों को दोहराता रहता है। आज दोनों नेता दिवंगत हैं, लेकिन बयान देने के वक्त वे प्रतिपक्ष के नेता थे। हालांकि संविधान ने विरोध करने का, स्वतंत्र अभिव्यक्ति का, मौलिक अधिकार दिया है, लेकिन संसद के भीतर उसकी गलत व्याख्या की जाती रही है। सदन में हुड़दंग मचाना, अध्यक्ष के आसन तक आकर नारेबाजी करना, नियमों की किताब फाड़ देना, मेजों पर चढ़ कर नृत्य की मुद्राएं बनाना कमोबेश किसी संसदीय लोकतंत्र के प्रतीक-चिह्न नहीं हैं। संसद में विरोध जताने के निश्चित नियम हैं अथवा सांसद 'व्यवस्था का सवाल' उठा कर हस्तक्षेप कर सकते हैं, लेकिन बीते अतीत में भाजपा ने कई-कई दिनों तक संसद की कार्यवाही चलने नहीं दी थी, लिहाजा आज का विपक्ष भी प्रतिरोध जताते हुए वैसा ही करेगा, यह तो भारत के सर्वोच्च, गरिमापूर्ण मंदिर की कोई संसदीय विरासत नहीं होनी चाहिए।

संसद के मानसून सत्र में भी कई मुद्दों पर विपक्ष के ढेरों सवाल हैं। सबसे अहम है-ऑपरेशन सिंदूर। पहलगाम नरसंहार, खुफिया तंत्र की नाकामी, गायब सुरक्षा-व्यवस्था, नतीजतन पाकिस्तान के साथ करीब 90 घंटे का युद्धनुमा संघर्ष, अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का संघर्ष-विराम कराने का बार-बार दावा आदि सवाल 'ऑपरेशन सिंदूर' से ही नत्थी हैं। भारत की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के '4-5 लड़ाकू विमान गिराए जाने' वाला बयान भी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य तैयारियों से जुड़ा है। विपक्ष इन सवालों पर संसद में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का आग्रह करता रहा है। प्रधानमंत्री फिलहाल ब्रिटेन और मालदीव के दौरे पर हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री 27 जुलाई के बाद ही संसद में बयान दे सकेंगे, यदि वह चाहेंगे। हालांकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष को आश्वस्त करने की कोशिश की है कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने और उसका माकूल जवाब देने को तैयार है। यूं तो 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े मुद्दों पर सेना का शीर्ष नेतृत्व और विदेश मंत्रालय कई बार स्पष्टीकरण दे चुके हैं, लेकिन विपक्ष के सवाल और संदेह यथावत हैं। वे प्रधानमंत्री का जवाब सुनना चाहते हैं। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री संसद के प्रति जवाबदेह हैं। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के अभियान पर भी विपक्ष सशंकित है कि लाखों लोग मताधिकार से वंचित किए जा सकते हैं। यह घोर असंवैधानिक होगा। बेहद अहम सवाल है कि देश के करीब 44 लाख करोड़ रुपए सरकार आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड के जरिए लोगों में बांटती है और चुनाव आयोग उसे वैध दस्तावेज मानने को तैयार नहीं। आखिर कौन है चुनाव आयोग? क्या वह देश की संवैधानिक व्यवस्थाओं से भी ऊपर है? कई और मुद्दे हैं, जिन पर विपक्ष सवालों की मूसलाधार करने के मूड में है।

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफ़ान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमरीका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी।

पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। हमें अब शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां 'कश्मीर' केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले।

जहर उगलता बंगलादेश

आदित्य कुमार चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत के पड़ोसी बंगलादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस और उनके मंत्री तो भारत के खिलाफ लगातार जहर उगल ही रहे थे कि अब कट्टरपंथी ताकतें भारत के विरोध में लगातार विष फैला रही हैं। बंगलादेश की नवगठित नेशनल सिटीजन पार्टी के प्रमुख और पाक प्रस्त युवा नेता सरजिस आलम ने एक रैली में एक तरह से धमकीपूर्ण लहजे में कहा कि इस देश में किसी भी विदेशी समर्थक के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इसलिए भारत के अधिपत्य का विरोध जरूरी है। बंगलादेश में शेख हसीना के तख्तापलट में छात्रों की बड़ी भूमिका रही है। इसलिए छात्र संगठनों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बंगलादेश इस समय कट्टरपंथी ताकतों के हाथों में खेल रहा है। पाकिस्तान, चीन और तुर्की प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से बंगलादेशी युवाओं और छात्रों को एक कट्टरपंथी वैचारिक सोच की ओर मोड़ने का अभियान चलाए हुए है। दो महीने पहले तुर्की समर्थित एक इस्लामी संगठन सल्तनत-ए-बांग्ला ने एक विवादास्पद नक्शा जारी किया था जिसमें भारत के बिहार, झारखंड, ओडिशा और पूरे पूर्वोत्तर राज्यों को ग्रेटर बंगलादेश का हिस्सा बताया गया था।

इससे पहले मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यह अभियान बंगलादेश की नई पीढ़ी को कट्टरपंथी दिशा में मोड़ने की सुनियोजित कोशिश है। इससे पहले भी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से जुड़े कुछ लोगों ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर दावा जताया था। 2024 में बंगलादेश में मोहम्मद यूनुस की सरकार बनने के बाद तुर्की और बंगलादेश के बीच संबंधों में अचानक तेजी आई है। तुर्की ने बंगलादेश को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया है और तुर्की की सत्तारूढ़ पार्टी एकेपी से जुड़े कई इस्लामी एनजीओ वहां सक्रिय हो गए हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान इस रणनीतिक निकटता में एक प्रमुख कड़ी के रूप में कार्य कर रहा है। ग्रेटर बंगलादेश की अवधारणा एक कट्टरपंथी विस्तारवादी सोच को दर्शाती है, जिसमें बांग्ला भाषी क्षेत्रों को एक राष्ट्र में मिलाने का सपना देखा जाता है। इसमें भारत के पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा और म्यांमार का अराकान क्षेत्र शामिल है।

हालांकि यह विचार बंगलादेश की मुख्यधारा में स्वीकार्य नहीं है लेकिन समय-समय पर इस्लामी समूहों और सोशल मीडिया पर यह भी उभरता रहता है। पिछले साल दिसम्बर 2024 में यूनुस सरकार के एक करीबी सहयोगी महफूज आलम ने एक ऐसा ही नक्शा सोशल मीडिया पर साझा किया था जिसमें भारतीय राज्यों को बंगलादेश का हिस्सा बताया गया था। भारत ने इस पर तीव्र आपत्ति जताते हुए ढाका को कड़ा विरोध दर्ज कराया था। अब जब तुर्की और पाकिस्तान जैसे देशों की मिलीभगत से बंगलादेश की धरती पर भारत विरोधी गतिविधियां बढ़ रही हैं तो भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इस घटनाक्रम को गम्भीरता से लेना शुरू कर दिया है। भारत के लिए 'चिकन नेक' यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर जैसी संवेदनशील जगहों की सुरक्षा और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और तुर्किए भारत के प्रत्यक्ष दुश्मन की भूमिका में थे जबकि चीन ने पाकिस्तान को हर संभव मदद करते हुए उसे सैटेलाइट और अन्य माध्यमों से खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई कि भारत की सैन्य तैयारियां कहां और कैसी हैं। अब यह साफ हो चुका है कि बंगलादेश पाकिस्तान और चीन का त्रिकोण भारत के लिए नई चुनौतियां पैदा करने का रहा है। यानि भविष्य में भारत को तीनों से लड़ना पड़ सकता है। चीन पाकिस्तान को अपने हथियार बेच रहा है। तुर्किए ने पाकिस्तान को अत्याधुनिक ड्रोन दिए हैं। पिछले महीने 19 जून को बंगलादेश, चीन और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों की बैठक हुई थी जिसमें सार्क जैसा संगठन बनाने पर भी विचार हुआ। पाकिस्तान पहले ही चीन के कर्ज में डूबा हुआ है और बंगलादेश में चीन का प्रभाव बढ़ रहा है। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए भारतीय सेना के शीर्ष कमांडरों ने इन तीनों के गठजोड़ को भारत के लिए खतरनाक करार दिया है। विश्व बैंक का अनुमान है कि पाकिस्तान को चीन का कर्ज चुकाने में 40 साल से ज्यादा समय लग सकता है। चीन स्थिति का फायदा उठाकर दक्षिण एशिया में अपना दबदबा बढ़ाना चाहता है। शेख हसीना के कार्यकाल के 15 वर्ष बंगलादेश की अर्थव्यवस्था के लिए स्वर्णिम वर्ष रहे। लंबे समय तक बंगलादेश को दक्षिण एशिया में आर्थिक प्रगति का एक शानदार उदाहरण माना जाता रहा है। इस ने रेडीमेड, गारमेंट्स, धन प्रेषण, गरीबी उन्मूलन, मानव संसाधन, विकास और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में दुनिया में अपनी पहचान बनाई लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि बंगलादेश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है।

बंगलादेश के सामने असली चुनौती इस पहल को अपनाने या इससे पीछे हटने में नहीं, बल्कि इसके दुष्परिणामों को संभालने में है। अगर भविष्य की सरकारें इससे दूरी बनाने का फैसला भी कर लें, तो भी कूटनीतिक नुक्सान खासकर चीन के साथ की भरपाई करना मुश्किल हो सकता है। इससे बंगलादेश की विदेश नीति की दिशा में स्पष्टता की चिंताजनक कमी का पता चलता है। पिछले 15 वर्षों में भारत के साथ संबंध मजबूत हुए हैं, लेकिन असंतुलन यह लागत के बिना नहीं एक अधिक संतुलित रणनीति की ओर बदलाव की आवश्यकता लंबे समय से है लेकिन इसे दूरदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए, न कि सीमित अधिकारों वाली अंतरिम सरकार के तहत जल्दबाजी में। ऐसा लगता है कि सीमित अधिकारों वाली अंतरिम सरकार जल्दबाजी में है। चीन और भारत दोनों के साथ संतुलन बनाकर चलना कूटनीतिक कौशल का विषय है। कभी सत्यजीत रे का पैतृक घर तोड़कर या भारत के विरोध करने से ही बंगलादेश मजबूत नहीं होगा।

बंगलादेश में लगी आग की लपटें अब दूर-दूर तक पहुंच चुकी हैं। आतंकवादियों को संरक्षण देने और बंगलादेश में बढ़ती हिंसा के विरोध में प्रदर्शन भी हो रहे हैं। भारत सतर्क होकर किसी भी चुनौती का मुकाबला करने के लिए अपनी रक्षा तैयारियां मजबूत कर रहा है और साथ ही नए कूटनीतिक विकल्पों की तलाश भी कर रहा है। बंगलादेशका भी वही हश्र होगा जो चीन के कर्जजाल में फंसे श्रीलंका, मालदीव और पाकिस्तान का हो रहा है। भारत रणनीतिक कौशल से आगे बढ़ रहा है और बंगलादेश में अराजकता फैल रही है। यही अराजकता उसे ले डूबेगी।

भौंकता है, पर काटता नहीं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

व्यंग्य

बचपन में दादी कहती थीं-बिटवा, भौंकता है, पर काटता नहीं, ऐसे ही कुत्ते से मत डरना! लेकिन अब लगता है, दादी को शहर के बंगलों की जानकारी नहीं थी। वहाँ के कुत्ते पहले भौंकते हैं, फिर घूरते हैं, फिर काटते नहीं... लेकिन अस्पताल का रास्ता ज़रूर दिखा देते हैं। हमारी भी एक ऐसी ही मुलाकात थी एक बँगलेवाले कुत्ते से, जो 'हैलो' से पहले ही 'भौं-भौं' करता था और 'अलविदा' के समय 'गुर्र-गुर्र'। मानो कह रहा हो-जा, जी ले अपनी ज़िंदगी! मैंने कहा, भाई, तेरे मालिक की चाय पीने आया हूँ, तुझसे शादी थोड़ी करनी है! पर उसे मानो संविधान में संशोधन करना हो, हर आने-जाने वाले का बैरिकेटिंग चेकअप कर डालता। फाटक पर लिखा था-बिवेर ऑफ डॉग। पर मन में खटका-डॉग के लिए लिखा है या मालिक के लिए? क्योंकि दोनों एक जैसे दिखते थे-रौबदार, गुर्राते हुए और जब देखो तब भौंकने को तैयार। जब मालिक ने दरवाज़ा खोला तो कुत्ता पहले झपटा, फिर पीछे हटा। शायद उसे मेरे चेहरे में नाथूराम दिखा हो। मैंने धीमे से कहा-भाई, गोली नहीं लाया, बस दो बिस्कुट लाया हूँ। मालिक ने हँसते हुए कहा, अरे डरो मत, ये तो बड़ा शरीफ है। और मैं सोचने लगा-शरीफ तो वो होते हैं जो भौंकते नहीं। ये शरीफ है या शहर का सीरियल किलर? हमारी तीन दिन की मजबूरी थी उस बँगले में ठहरने की। रात को छत पर सोते हुए महसूस होता कि कोई लगातार घूर रहा है। नीचे देखा, तो साहब का टाइगर-नाम तो टाइगर, पर हरकतें पिंकू की तरह-चारपाई पर लेटा, झबरीली आँखों से घूरता हुआ जैसे कह रहा हो-तू मेरे लॉन में कैसे सो गया? और मैं, आत्मग्लानि में डूबा-ओह! मैं एक मध्यवर्गीय इंसान और ये उच्चवर्गीय कुत्ता, हम एक ही अहाते में हैं। कहीं देश का तो नहीं गिरा? कुत्ते का टशन देख मैंने मन में दोहराया-गरीब आदमी को सिर्फ़ आदमी ही नहीं, कुत्ता भी नीचा दिखाता है! शाम को जब लॉन में बैठकर चाय पी रहे थे, तो नौकर टाइगर को टहला रहा था। इतने में फाटक के बाहर दो 'नॉन-बँगला-रेजिडेंट' कुत्ते आ गए। वे सड़किया, भटकती आत्माएँ, भूख से झूलते हुए, हमारे टाइगर को देख रहे थे-मानो कह रहे हों, ओ रे बाबू, तु बड़ा आदमी बन गया रे! टाइगर ने तुरंत भौंकना शुरू कर दिया। और उन दोनों ने शर्म से सिर झुका लिया, जैसे इंटरव्यू में फेल हो गए हों। मैंने मेज़बान से पूछा, ये उनके पीछे क्यों भौंकता है? मेज़बान ने कहा, वो तो इसकी रोज़ की आदत है। मैंने कहा, क्लासिक केस है-सफलता के बाद रिश्तेदारों से मुँह मोड़ना! रात को टाइगर चुपचाप पड़ा था। पास में ही दोनों सड़किया कुत्ते फिर से आ गए और मोहल्ले में भौंकने लगे। आश्चर्य यह कि टाइगर भी उनके साथ आवाज़ मिलाने लगा। लगा जैसे 'भौंकना' यूनियन की हड़ताल हो और टाइगर उसमें मोर्चा संभाले। मैंने कहा, वाह, ये तो राजनीतिक कुत्ता निकला। सुबह पूँजीवादी, रात को सर्वहारा। पर अगली सुबह जो दृश्य देखा, उसने आत्मा को रुला दिया। टाइगर गेट के बाहर पड़ा था, लहूलुहान। दोनों आवारा कुत्तों ने उसकी धुनाई कर दी थी-जैसे कह रहे हों, अबे गद्दार, भौंकता हमारे साथ है, पर दिखावा करता है अमीर बनने का!

मालिक बोले, नौकर की गलती से गेट खुल गया और ये निकल गया। दोनों कुत्ते घात में थे। मैंने कुत्ते की तरफ देखा। उसकी आँखों में पश्चाताप था-मानो कह रहा हो, काश मैं अपनी औकात नहीं भूलता। उसकी चुप्पी में एक गहरी पुकार थी-मैं अब जान गया हूँ, मैं कौन हूँ। अब वह भौंक भी नहीं रहा था, बस कभी-कभी कराहता था, जैसे कह रहा हो-बेवफ़ाई की सज़ा मिली है, मालिक... पट्टे को भगवान समझ लिया था।

लौटते समय मेरा मन भारी था। टाइगर को देखा-उसकी आँखें भीगी थीं, मेरी भी। शायद वह कहना चाह रहा था, सिस्टम ने मुझे ये बनाया, मैं कौन था, ये भूला दिया। और मैंने सिर झुका लिया। पीछे से दो सड़किया कुत्ते फिर आ गए थे, वे चुपचाप देख रहे थे। वे अब नहीं भौंक रहे थे। शायद कह रहे हों-अब ये हमारा है। अब ये भौंकता नहीं, सोचता है।

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान-सम्मान पर बेजा टीका-टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष-विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और

देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं?

इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

- डॉ. आशीष वशिष्ठ

चेतकपुरी सड़क विवादः कार्यपालन यंत्रियों के निलंबन का प्रस्ताव लौटाया

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

नगर निगम की महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक में चेतकपुरी सड़क निर्माण में लापरवाही को लेकर निलंबित किए गए दो कार्यपालन यंत्रियों के निलंबन प्रस्ताव को बिना पुष्टि (मंजूरी) के लौटा दिया गया। यह निर्णय महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया, जिससे नगर निगम आयुक्त संघप्रिय द्वारा जारी किया गया निलंबन आदेश फिलहाल प्रभावविहीन हो गया है। इस निर्णय को जानकार चालाकी से बहाली की दिशा में उठाया गया कदम मान रहे हैं। दरअसल, पीआईयू (परियोजना क्रियान्वयन इकाई) के कार्यपालन यंत्री पवन सिंघल और कार्यपालन यंत्री (पूर्व विधानसभा) सुरेश अहिरवार को चेतकपुरी चौराहा से स्वर्णरेखा तक वाया माधवनगर गेट और बसंत बिहार रोड पर स्ट्रॉम वाटर लाइन निर्माण के पर्यवेक्षण में गंभीर लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया था। लेकिन एमआईसी को जब यह प्रस्ताव भेजा गया तो उसमें सिर्फ निलंबन आदेश की प्रति संलग्न थी, कोई विस्तृत विवरण नहीं था। इसी आधार पर एमआईसी ने प्रस्ताव को यह कहकर लौटा दिया कि पहले समस्त तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

महापौर की अध्यक्षता में हुए कई अहम निर्णय

एमआईसी ने निगम से यह भी पूछा कि चेतकपुरी सड़क निर्माण किन दबावों में किया गया, इसकी पूरी जानकारी दी जाए। इसके साथ भोपाल की टीम और जिलाधीश द्वारा की गई जांच रिपोर्ट भी मांगी गई है। जानकारों का मानना है कि इन दस्तावेजों की अनुपलब्धता निगम के अधिकारियों को असहज स्थिति में डाल सकती है और महीनों तक ये जानकारी देना संभव नहीं हो पाएगा। इसे कार्यपालन यंत्रियों के बहाल करने की रणनीतिक योजना भी माना जा रहा है। बैठक में विशेष रूप से मेयर इन काउंसिल के सदस्य अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, विनोद यादव माठू, शकील मंसूरी, गायत्री मंडेलिया, संध्या कुशवाह, उपासना यादव, मोनिका मनीष शर्मा, लक्ष्मी गुर्जर, प्रेमलता जैन, निगम आयुक्त संघप्रिय, अपर आयुक्त मुकेश सिंह सिकरवार, अनिल दुबे एवं वित्तीय अपर आयुक्त रजनी शुक्ला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क नामकरण प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

बैठक में शहर की कई सड़कों और स्थलों के नाम बदलने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। इनमें प्रमुख रूप से प्रभात झा मार्ग, गोले का मंदिर से 7 नंबर चौराहा तक। पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह मार्ग, हनुमान टॉकीज से गुढ़ा तिराहे तक। कोतवाल धनसिंह गुर्जर मार्ग, चेतकपुरी चौराहा से विक्की फैक्ट्री तक। पूर्व पीएम वीपी सिंह मार्ग, गोले का मंदिर चौराहा से पिंटो पार्क तिराहा तक। चंद्रशेखर मार्ग, भिंड रोड से डीडी नगर सिंधिया प्रतिमा तक। भीष्म पितामह मार्ग, यूनिपेच फैक्ट्री से सिंधिया स्टैच्यू तक। राजा मानसिंह तोमर मार्ग, चंद्रवदनी नाका से संगीत विश्वविद्यालय के पुल तक। पूर्व महापौर पूरन सिंह पलैया मार्ग रॉक्सी पुल से लक्कड़खाना पुल तक। राजीव गांधी वेस्ट टू वंडर पार्क, वर्तमान वेस्ट टू वंडर पार्क का नाम। लालबहादुर शास्त्री कन्वेंशन सेंटर, नव निर्मित कन्वेंशन सेंटर। डॉ. रघुनाथ राव पापरीकर नर्सरी, कन्वेंशन सेंटर के पीछे स्थित नर्सरी। माधवराव सिंधिया मार्ग, चेतकपुरी चौराहा से मांडरे की माता तक।

बैठक में यह निर्णय भी लिए

- नगर निगम द्वारा 12 नए सुरक्षा गार्ड अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से रखने को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही इंटक मैदान, हजीरा स्थित चौपाटी की दुकानों की ई-निविदा जारी कर ऑफर आमंत्रण एवं आवंटन को भी स्वीकृति दी गई।
- स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत ग्वालियर नगर निगम सीमा में क्लस्टर आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के निर्माण की स्वीकृत परियोजना को प्रशासनिक एवं निविदा स्तर पर स्वीकृति दी गई है।
- निगम कार्यालय क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 03 (लूटपुरा) का नाम बदलकर इंदिरा नगर करने का प्रस्ताव भी पास किया गया।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में संपत्ति कर में 6 प्रतिशत की छूट को तीन माह तक बढ़ाए जाने को भी स्वीकृति प्रदान की गई।
- चिड़ियाघर परिसर में तीन वर्ष के लिए कैंटीन ठेके का प्रस्ताव वापस कर दिया गया। यह निर्णय संभवत: तकनीकी कारणों या प्रस्ताव की अपूर्णता के चलते लिया गया।

इनका कहना है

जो प्रस्ताव पूर्व में परिषद से स्वीकृत हो गए हैं, उनको एमआईसी में पास करना कांग्रेस की ओछी मानसिकता दर्शाता है।

मनोज तोमर
सभापति, नगर निगम

थाटीपुर का एनआरसी बन रहा स्मार्ट सेंटर

अब सिर्फ इलाज नहीं मिलेगा बल्कि मिलेगा घर जैसा माहौल

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

चिकित्सकों की संस्था करेगी एसी डोनेट

एनआरसी के लिए चिकित्सकों की एक संस्था द्वारा एसी भी डोनेट किया जाएगा, जिससे गर्मी के मौसम में भर्ती बच्चों को राहत मिल सके।

शहर के थाटीपुर क्षेत्र में स्थित शहरी परिवार कल्याण केंद्र एवं प्रसूति गृह का 20 बिस्तरीय न्यूट्रिशन रिहैबिलिटेशन सेंटर (एनआरसी) अब एक स्मार्ट एनआरसी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस कायाकल्प की खास बात यह है कि यह परिवर्तन किसी सरकारी योजना के तहत नहीं, बल्कि प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से हो रहा है। एक ऐसी मिसाल जो बताती है कि जब सरकार और समाज मिलकर काम करें, तो बदलाव संभव है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने इस बदलाव की शुरुआत की। उन्होंने एमपी हाउसिंग बोर्ड की मदद से एनआरसी परिसर में प्लास्टर कार्य और बाउंड्रीवॉल का निर्माण करवाया, जिससे भवन की संरचनात्मक स्थिति बेहतर हो सके। इसके बाद अब रंगाई-पुताई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। दीवारों पर रंग-बिरंगी आकर्षक पेंटिंग्स बनाई जा रही हैं, जिनमें कार्टून कैरेक्टर, जानवर, फूल और प्रेरणादायक चित्र शामिल हैं। जिससे उनके उपचार और मानसिक विकास दोनों में मदद मिलेगी। एनआरसी के प्रभारी डॉ.आशुतोष शर्मा ने बताया कि इस केंद्र को स्मार्ट एनआरसी में बदलने का उद्देश्य केवल भौतिक सुविधाएं बढ़ाना नहीं है, बल्कि यहां आने वाले बच्चों और उनके परिजनों को एक ऐसा माहौल देना है, जो उन्हें अस्पताल के बजाय घर जैसा महसूस कराए। उन्होंने कहा हमारा प्रयास है कि बच्चे यहां भय और तनाव से मुक्त होकर रहें। इलाज के दौरान उन्हें सकारात्मक ऊर्जा मिले और वे जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकें।

साहब यह राशन जानवर भी नहीं खा सकते, मैं कैसे खाऊं

जिलाधीश की जनसुनवाई

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

साहब यह राशन जानवर भी नहीं खा सकते, मैं और मेरा परिवार इसे कैसे खाएगा। यह बात एक बुजुर्ग ने जिलाधीश की जनसुनवाई में कही। बुजुर्ग अपने साथ सरकारी राशन की दुकान से मिलने वाला गेहूं भी लेकर पहुंचा और अधिकारियों को दिखाया। वहीं बुजुर्ग की शिकायत के बाद अधिकारी राशन की दुकान पहुंचे, जहां मौके पर कंकड़,पत्थर मिट्टीयुक्त गेंहूं का बोरा भी मिला।

मुरार निवासी बुजुर्ग बाबूलाल जाटव ने जनसुनवाई में अधिकारियों से शिकायत करते हुए कहा कि सरकार की ओर से जो गेहूं और चावल मिलता है, उससे उनका गुजारा होता है। लेकिन अल्पना टॉकीज के पास संचालित होने वाली दुकान क्रमांक 271 बुद्ध प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार से जो गेहूं मिला है, उसमें ढेर सारे कंकड़ व मिट्टी है। बुजुर्ग ने दुकान से मिले गेहूं को भी अधिकारियों को दिखाया। बुजुर्ग की शिकायत को गम्भीरता से लेकर हुए अधिकारियों से सम्बंधित को कार्रवाई के निर्देश दिए तो खाद्य अधिकारी प्रीति गुप्ता राशन की दुकान पर जा पहुंचीं। इस दौरान मौके पर घटिया मिलावटी राशन वाला भरा हुआ बोरा जांच अधिकारी को मिला। दुकान संचालक का कहना था कि बीते महीने सप्लाई चेन में जो राशन दुकान के लिए भेजा गया था उसमें एक बोरी घटिया खराब राशन की निकली थी। जिसकी शिकायत उन्होंने तत्काल सम्बंधित अधिकारियों से की थी उनके द्वारा आश्वासन दिया गया था कि अगला राशन का लॉट जब गाड़ी देने के लिए आएगी तब इस खराब राशन को वापस ले लिया जाएगा। इस पर खाद्य अधिकारी ने दो दिन के भीतर खराब राशन वापस पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही बुजुर्ग बाबूलाल जाटव को साफ अच्छा गेहूं सहित अन्य राशन दिलाया गया। ओबीसी महासभा के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार ने एक मंत्री के समर्थक पर अवैध रूप से अवैध रूप से कब्जा किए जाने की शिकायत की।

पुलिस जनसुनवाई

रेस्टारेंट संचालक व मारपीट करने वाले पुलिस कर्मी में राजीनामा

स्टेशन बजरिया पर बीते दिवस रेस्टोरेंट खुला होने पर नौकर के साथ मारपीट करने वाले उपनिरीक्षक की शिकायत लेकर संचालक और रेस्टोरेंट मैनेजर पुलिस जनसुनवाई में पहुंचे और अपने साथ हुई घटना की शिकायत की। लेकिन बाद में दोनों पक्षों में आपसी समझौता होने के बाद वह बिना कार्रवाई के वापस चले गए। पड़ाव थाना क्षेत्र स्थित स्टेशन बजरिया पर संचालित मंशापूर्ण रेस्टोरेंट में बीते रोज रात्री गश्त के दौरान उपनिरीक्षक ने रेस्टोरेंट खुला होने पर नौकर पर लात-घूंसे चला दिए थे। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। मंगलवार को पुलिस जनसुनवाई में रेस्टोरेंट संचालक सुनील राजपूत ,मैनेजर के साथ पहुंचा और मारपीट की शिकायत की। लेकिन पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद दोनों के बीच राजीनामा हो गया। दोनों ही पक्ष कोई कार्रवाई नहीं चाहते हैं। मारपीट करने वाले उपनिरीक्षक की पहचान प्रदीप के रूप में हुई जो विश्वविद्यालय थाने में पदस्थ हैं।

जगह-जगह बह रहा सीवर का पानी अधिकारी नहीं उठाते फोन

साहब जगह-जगह सीवर बह रहा है, लोगों के घरों में गंदा पानी आ रहा है। जिससे ग्वालियर विधानसभा के लोग काफी परेशान है। लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों व ठेकेदार को फोन करें तो वे फोन तक नहीं उठाते। इसलिए संबंधित पर कार्रवाई की जाए। यह गुहार प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, एमआईसी सदस्य विनोद यादव, शकील मंसूरी व पार्षद मनोज राजपूत ने मंगलवार को निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अधिकारियों से लगाई। इस दौरान सभी ने जनसुनवाई कक्ष में ही जमीन पर बैठकर विरोध जताते हुए कहा कि वार्ड 1,3,14,5,8,9 के आनंद नगर, रत्न वाटिका, नर्सिंग नगर, कांच मिल कॉलोनी में गली नंबर 1,2,3,8 व झाड़ू वाले मोहल्ला में जलभराव, नालों में गंदा पानी, सीवर ओवरफ्लो, लाइटें बंद, जर्जर सड़के और लोगों के घरों में गंदा पानी भरा हुआ है। यदि अधिकारियों से शिकायत करो तो वह फोन नहीं उठाते है, इसलिए उन्हें हटाया जाए। इस दौरान अपर आयुक्त मुनीष सिकरवार ने जल्द ही समस्या का समधान करने की बात कही। वहीं पार्षदों व स्थानीय लोगों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्याओं का समाधान जल्द ही नहीं किया गया तो वह निगम कमिश्नर कार्यालय का घेराव करेंगे। जनसुनवाई में वार्ड 32 प्रवीण भटनागर ने कहा कि गांधीनगर में कई लोगों ने मुख्यमार्गों पर अतिक्रमण कर लिया है, वार्ड 43 के लोगों ने नया सराफा बाजार, दाना ओली, बिंदल मार्केट, माता वाली गली बैरागपुरा स्थित लक्ष्मीनारायण शर्मा का मकान जर्जर हो चुका है इसलिए उसे गिराया जाने के साथ ही पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई, नामांतरण से संबंधित 53 शिकायतें पहुंची।

जल भराव से परेशान ग्रामीणों ने ग्वालियर-बीना पैसेंजर ट्रेन रोकी

ग्वालियर। दोरार गांव में अंडरब्रिज में जलभराव से नाराज सैकड़ों ग्रामीणों ने ग्वालियर-शिवपुरी रेलखंड पर बीना जा रही पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया। जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से लंबे समय से परेशान ग्रामीणों ने ट्रैक पर उतरकर करीब 45 मिनट तक विरोध प्रदर्शन किया, जिससे रेल यातायात ठप हो गया। ट्रेन को लगभग एक घंटे की देरी से रवाना किया जा सका। जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने ग्वालियर से बीना जा रही पैसेंजर ट्रेन को दोरार गांव के पास रोक दिया। प्रदर्शन की सूचना ट्रेन स्टाफ ने तुरंत झांसी कंट्रोल रूम को दी। खबर मिलते ही रेलवे और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। करीब 45 मिनट की बातचीत और अंडरब्रिज में जल निकासी व्यवस्था सुधारने का लिखित आश्वासन देने के बाद ग्रामीण ट्रैक से हटे। इसके बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

ग्वालियर ग्लोरी स्कूल में बच्चों ने सीखी जीवनरक्षक तकनीक

ग्वालियर। ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल में गत दिवस ग्वालियर एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स और भारतीय शिशु रोग अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय बालरोग अकादमी के सीपीआर सप्ताह के अंतर्गत डॉ. आनंद शांडिल्य की स्मृति को समर्पित था। इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों को बेसिक लाइफ सपोर्ट (जीवनरक्षक तकनीक), सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की प्रक्रिया, ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर मशीन के उपयोग तथा हृदय से जुड़ी आपात स्थितियों से निपटने की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास (हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस) के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. करूनेश पिपेरिया, डॉ. जेसी गर्ग, डॉ. प्रकाश वीर आर्य, डॉ. राम अरोरा, डॉ. अजय उपाध्याय शामिल हुए।

तरणताल का हुआ उद्घाटन

ग्वालियर। कन्या सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को शिव उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय में नवनिर्मित तरण ताल का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर मातृ शक्ति द्वारा शिवलिंग का पूजन किया गया। कार्यक्रम में शिशु वाटिका प्रदर्शनी तथा भैया-बहनों द्वारा बनाए गए विज्ञान मॉडल का अवलोकन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती नेहा शुक्ला, मुकुट बिहारी शर्मा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। आभार विद्यालय प्राचार्य कल्पना सिकरवार ने व्यक्त किया।

'अभियंता सदन की शिकायत नहीं की'

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

मप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के कार्यालय अभियंता सदन गोलघर पड़ाव की झूठी शिकायत की गई थी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष कनवर मंगलानी ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि उनके नाम से अभियंता सदन गोलघर की किसी ने फर्जी शिकायत की थी, उनके द्वारा शिकायत नहीं की गई है। मप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने बताया कि ग्वालियर में कुछ लोग मप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन की एकजुटता व लोकप्रियता से बौखलाकर निम्न स्तर की हरकतों पर उतारू हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा जिला उपाध्यक्ष कनवर मंगलानी ने लिखित रूप से एसोसिएशन को अवगत कराया है कि उनके लेटर पैड पर किसी व्यक्ति ने मप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन को आवंटित कार्यालय की झूठी शिकायत की थी। जिसकी मुझे समाचार पत्रों से जानकारी मिली। भाजपा नेता ने कहा है कि यह शिकायत उन्होंने नहीं की है। कार्यालय डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ को आवंटित है, इन्होंने नवीन निर्माण व रेनोवेशन कार्य कराया है, इसमें कोई व्यावसायिक गतिविधि भी संचालित नहीं होती है।

मुख्य अभियंता के विरोध में धरना कल

मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग ग्वालियर एसएल सूर्यवंशी की मनमानी, तानाशाही व कर्मचारी विरोधी रवैये के विरोध में मप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन 24 जुलाई को लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1 पुराने आरटीओ कार्यालय पर धरना देगा। यह धरना प्रात: 11 बजे से शुरू होकर सायं 4 बजे तक चलेगा।

सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने किया बहिष्कार

सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने मप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा 24 जुलाई को किए जाने वाले धरने का बहिष्कार किया है। संघ के उमेश दुबे का कहना है कि संगठन के कतिपय व्यक्तियों द्वारा मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग उत्तर परिक्षेत्र ग्वालियर के ऊपर दबाव बनाने के लिए धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ धरना प्रदर्शन का विरोध करते हुए बहिष्कार करता है।

दोस्त व उसके माता -पिता की प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने लगाई थी फांसी

तीनों पर पुलिस ने जांच के बाद की प्राथमिकी

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

जनकगंज थाना क्षेत्र में युवती ने अपने दोस्त और उसके माता- पिता की प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगाई थी। पुलिस ने आत्महत्या के मामले में जांच के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

मस्जिद वाली गली में रहने वाली नंदनी प्रजापति 24 वर्ष ने 16 मई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। नंदनी का वर्ष 2020 से चेतन रजक से प्रेम प्रसंग चल रहा था और वह उससे विवाह करने की बात कह रहा था। लेकिन चार वर्ष के बाद उसने युवती से विवाह करने से इनकार कर दिया था। नंदनी, चेतन के विवाह से इनकार करने से बुरी तरह टूट चुकी थी। चेतन के पिता अशोक और मां गीता रजक ने भी युवती का सबके सामने अपमान कर दिया था। इसी से आहत होकर उसने जान दे दी थी। आत्महत्या करने से पहले नंदनी ने एक सुसाइड नोट भी लिखा था जो बाद में परिजनों को कमरे की सफाई के बाद मिला था। मृतका लगातार चेतन पर विवाह का दबाव बना रही थी जबकि उसका कहना था कि उसके माता -पिता ने कहीं और रिश्ता तय कर दिया है। पुलिस ने जांच के बाद चेतन उसके पिता अशोक और मां गीता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

कमरे में सहेली को मिला शव

नंदनी एक निजी संस्थान में नौकरी करती थी। घटना वाले दिन उसकी सहेली ने कई बार उसे फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब फोन नहीं उठा तो वह सहेली के घर पहुंची। सहेली से जैसे ही पता चला कि नंदनी फोन नहीं उठा रही तब उसको जाकर देखा तो वह फांसी पर लटकी मिली। नंदनी ने फांसी लगाने से पहले चेतन को भी कई बार फोन किए थे, लेकिन फिर भी वह शादी के लिए माना नहीं था।

स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का हुआ शुभारम्भ

पांच वर्ष तक के बच्चों की होगी चिकित्सीय जांच

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

जिले में स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का शुभारंभ मंगलवार को आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 28, ज्योति नगर से हुआ। इस विशेष अभियान की शुरुआत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने की। यह अभियान 22 जुलाई से 16 सितंबर तक जिलेभर में चलेगा। अभियान का शुभारंभ करते हुए सीएमएचओ डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 5 वर्ष तक के बच्चों की चिकित्सीय जांच की जाएगी। गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, डिहाइड्रेशन व संक्रमण की पहचान कर उनका त्वरित उपचार किया जाएगा। विटामिन ए की खुराक, ओआरएस पैकेट और

जिंक टेबलेट वितरित की जाएंगी। जो बच्चे किसी कारणवश आंगनवाड़ी केंद्र नहीं पहुंच पाते, उन्हें मॉप-अप दिवस के दौरान घर जाकर सेवाएं दी जाएंगी। माताओं और परिजनों को ओआरएस व जिंक टेबलेट के उपयोग के लिए जागरूक किया जाएगा। डॉ. अशोक खरे ने बताया कि गंभीर कुपोषण वाले बच्चों को एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) रेफर किया जाएगा। एनीमिया की जांच के लिए डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर से 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों का हीमोग्लोबिन जांच कर उचित उपचार दिया जाएगा। साथ ही एचबीएनसी एवं एचबीवायसी कार्यक्रमों के तहत नवजातों और हाई-रिस्क बच्चों की पहचान कर उन्हें निगरानी में लिया जाएगा।

भामसं के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आज

ग्वालियर। भारतीय मजदूर संघ के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में दिल्ली में 23 जुलाई को कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसको मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण गोले का मंदिर, बिरला नगर के पास स्थित श्याम वाटिका में भी देखा जाएगा। बुधवार को यहां सुबह 10:30 बजे कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार व युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्री डॉ.मनसुख भाई मंडाविया होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पांड्या करेंगे।

आज पुष्पांजलि अर्पित करेंगे

ग्वालियर। आजाद सेवा समिति मुरार द्वारा शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जन्म जयंती पर आज बारादरी चौराहा स्थित आजाद जी की प्रतिमा पर प्रातः 8:30 बजे पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

रामबोला के बोल स्पर्धा में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा द्वारा आयोजित रामबोला के बोल प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दौलतगंज स्थित सभा भवन में आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा 1 से लेकर महाविद्यालय वर्ग तक के प्रतिभागियों ने मानस अंताक्षरी, श्रीराम काव्यपाठ, सामान्य ज्ञान परीक्षा, तात्कालिक भाषण, निबंध लेखन, तोरण निर्माण, द्रुत चौपाई पाठ, तात्कालिक कथोपकथन, रामायण लूड़ो, चौपाई व्याख्यान, आंख मिचोली, राक्षस वध, राम नाम लेखन, फैन्सी ड्रेस, चेयर रेस, भजन गायन, विचित्र हंसी में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। इस स्पर्धा का परिणाम तुलसीदास जयंती को 31 जुलाई को घोषित होगा। जिसमें

विजेताओं को पुरस्कार और सभी प्रतिभागियों को सम्मान पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारिका सिंह गुर्जर, विशिष्ट अतिथि डॉ. ईश्वरचंद्र करकरे थे। अध्यक्षता सुधीर चतुर्वेदी ने की। इस अवसर पर सभा मंत्री उपेंद्र कस्तूरे, डॉ. मंदाकिनी शर्मा, कार्यक्रम संयोजकद्वय शिवम सिंह सिसौदिया, शिवानी गोस्वामी, सह संयोजकद्वय विकास बघेल, अंकुर चौरसिया, शुभम जायसवाल, विजय किरार, पलक सिकरवार, हिमांशु शर्मा, अनुराग नामदेव, अनुभवी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संजय को सन ऑफ सरदार 2 में काम नहीं करने का अफसोस

मुंबई। अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है। इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। एक्शन हीरो अजय देवगन के फैंस इस पर उन्हें बधाई दे रहे हैं। ऐसे में संजय दत्त ने इस फिल्म के लिए अजय देवगन को बधाई दी है और पोस्ट में दिल की बात लिखी है। 'सन ऑफ सरदार 2 के लिए आपको बधाई राजू, अगर इसे हम एकसाथ करते तो और भी मजा आता।' संजय दत्त की इस पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है 'बाबा तीसरे पार्ट में आप को ही होना चाहिए।' एक और यूजर ने लिखा है 'इसमें बाबा को होना चाहिए था।

लाइफ Style

फातिमा

आप जैसा कोई के निर्देशक को कहा पागल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दंगल गर्ल फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी फिल्म आप जैसा कोई को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। यह तस्वीरें फिल्म की शूटिंग के दौरान की हैं। तस्वीरों में वह फिल्म आप जैसा कोई के निर्देशक विवेक सोनी के साथ नजर आ रही हैं।

सना ने विवेक के लिए एक लंबी पोस्ट लिखी है और उन्हें पागल कहा है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं वह फिल्म 'आप जैसा कोई' की बीटीएस तस्वीरें हैं। इनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक विवेक सोनी के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए विवेक सोनी की तारीफ की है और लिखा है 'अपनी रोजाना की सेल्फी से लेकर तुम्हारे अलग अंदाज को मैं अभी भी नहीं समझ पाई।'

फातिमा सना शेख ने आगे लिखा 'तुम्हारे साथ काम करना एक सफर जैसा है। तुम बॉलीवुड के चलते-फिरते इनसाइक्लोपीडिया हो। (मुझे अब भी नहीं पता कि तुम कैसे हर गाना, हर दृश्य याद रखते हो, तुम पागल हो।)' आपमें साधु जैसी शांति है। फिल्म में मुझे मधु बनाने के लिए और उस पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। तुम्हारी जादू वाली दुनिया का हिस्सा बनना बहुत अच्छा रहा। आपको बता दें कि फातिमा सना शेख की फिल्म आप जैसा कोई 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ आर माधवन हैं। इसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला के अलावा कई लोग हैं।

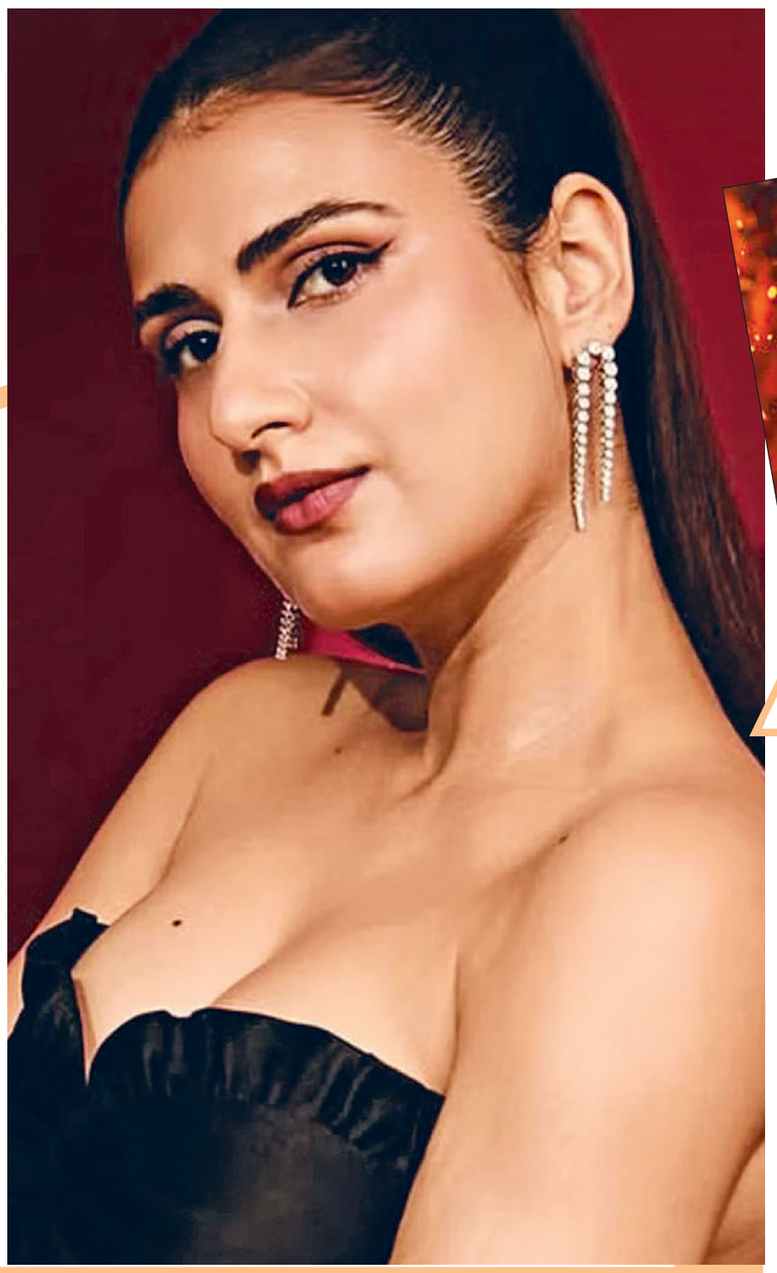

हॉलीवुड मसाला

अवतार फायर.. का नया पोस्टर जारी

लॉस एंजिल्स। मेकर्स ने 'अवतारः फायर एंड ऐश' का नया पोस्टर जारी कर दिया है। साथ ही फिल्म को लेकर भी बड़ी अपडेट शेयर की है। जेम्स कैमरून की 'अवतारः फायर एंड ऐश' पेंडोरा की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज को लेकर भी बड़ी अपडेट दे दी है। फिल्म के नए पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है, 'अवतारः फायर एंड ऐश में वरंग से मिलिए।' इसके जरिए मेकर्स ने ये भी बता दिया है कि फिल्म का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज होने वाली 'द फैंटास्टिक फोरः फर्स्ट स्टेप्स' के साथ सिनेमाघरों में देखने को मिलेगा।

वार्नर ने द कॉस्बी में निभाई थियो हक्सटेबल की भूमिका

लॉस एंजिल्स। 80 के दशक में मशहूर अमेरिकी टीवी शो द कॉस्बी शो में थियो हक्सटेबल का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर अब हमारे बीच नहीं रहे। 54 साल की उम्र में एक्टर का निधन हो गया है। कोस्टा रिका के समुद्री तट पर तैराकी के दौरान वो एक हादसे का शिकार हो गए। मैल्कम-जमाल वार्नर को अमेरिका के हर घर में तब जाना गया, जब उन्होंने 1984 से 1992 तक चले लोकप्रिय सिटकॉम 'द कॉस्बी शो' में थियो हक्सटेबल की भूमिका निभाई। वो शो में डॉक्टर हक्सटेबल के सबसे छोटे बेटे थे। थियो का किरदार निभाने वाले वार्नर ना सिर्फ एक शानदार अभिनेता थे, बल्कि बाद में उन्होंने निर्देशक और निर्माता के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई। मैल्कम-जमाल वार्नर की खबर जैसे ही फैली, हॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई।

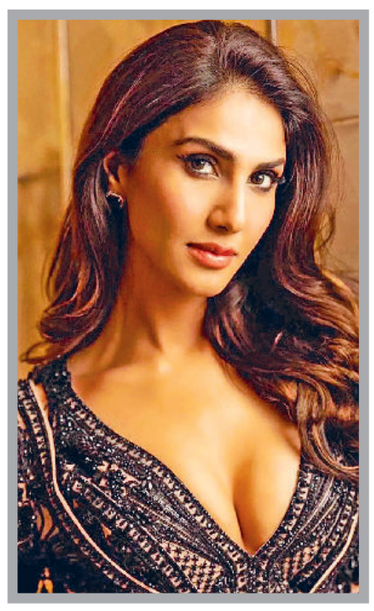

स्किन टोन को लेकर किया गया शर्मिंदा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच वाणी कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान उनके साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर खुलकर बातचीत की। एक खबर के अनुसार, वाणी कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक फिल्म से उन्हें इसलिए हटा दिया गया, क्योंकि उनका रंग गोरा नहीं था। एक फिल्म निर्माता ने कहा कि वह उस किरदार के लिए गोरी नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें बहुत पतली होने के लिए भी ताने सुनने पड़े थे। लोग अक्सर कहते थे कि उन्हें वजन बढ़ाना चाहिए, क्योंकि लोगों को भरे हुए शरीर वाली महिलाएं ज्यादा पसंद हैं। इस सभी बातों को लेकर वाणी का कहना है, 'वह खुद से खुश हैं और जैसी हैं, वैसे ही रहना चाहती हैं। वह फिट और स्वस्थ हैं और ऐसी बातों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।'

25 जुलाई को रिलीज होगा वॉर-2 का ट्रेलर

मुंबई। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म 'वॉर 2' के ट्रेलर की रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने एक पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी है कि 'वॉर 2' का मच अवेटेड ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। ट्रेलर की रिलीज डेट बताते हुए मेकर्स की ओर से एक पोस्ट शेयर की गई, जिसमें एक ऋतिक और जूनियर एनटीआर का एक पोस्टर शेयर किया गया है। इस पोस्टर पर ही ट्रेलर की रिलीज डेट लिखी है। इसके साथ ही लिखा है, '2025 में भारतीय सिनेमा के दो आइकन अपने सिनेमा के सफर के 25 साल पूरे कर रहे हैं। वॉर 2 यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फिल्म के जरिए जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। जबकि ऋतिक रोशन एक बार फिर रॉ एजेंट कबीर के किरदार में ही दिखाई देंगे।

टीवी मसाला

सोशल मीडिया पर स्टार बन चुकी है ये बच्ची

नई दिल्ली। देवथा सीरियल स्टार मां चैनल का एक सुपरहिट शो रहा है, जिसमें छोटी बच्ची 'देवम्मा' का किरदार सबको बहुत पसंद आया था। अहाना बर्फी ने इस शो में प्यारा सा किरदार निभाया था, शो में उन्होंने अपने टैलेंट से सभी का दिल जीता था। अहाना ने ज्यादातर इमोशनल सीन में अपनी एक्टिंग से गहरी छाप छोड़ी है, हालांकि, देवथा सीरियल के बाद वह तेलुगु टीवी सीरियल्स में नजर नहीं आईं। लेकिन सोशल मीडिया पर वह पहले काफी एक्टिव रही हैं। अहाना बर्फी के इंस्टाग्राम पर करीब 4 लाख फॉलोअर्स हैं। माना जाता है कि वह किसी भी किरदार को अपनी एक्टिंग से खास बना सकती हैं। यही वजह है कि वह टीवी की दुनिया में धाक जमाए हुए हैं। अहाना बर्फी का जन्म 20 जनवरी को हुआ था, खबर है कि इन दिनों वह पढ़ाई में बिजी हैं और इसी वजह से एक्टिंग से थोड़ी दूरी बनाए हुए हैं। फिलहाल वह अपनी पढ़ाई पर फोकस करना चाहती हैं। उन्होंने कुछ शॉर्ट फिल्मों में भी काम किया है, हालांकि अब वह एक्टिंग से ब्रेक पर हैं, लेकिन उनकी हाल की फोटोज देखकर लोग हैरान हो रहे हैं, वो अब बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके पहले और अब की फोटोज को देखकर लोग कमेंट कर रहे हैं कि वह कितनी बदल गई हैं और पहले से भी खूबसूरत हो गई हैं। कुछ समय पहले उनका एक पारिवारिक फंक्शन वीडियो भी वायरल हुआ था। अहाना की एक फोटो बलैया और श्रीलीला के साथ भी वायरल हुई थी। फैंस का मानना है कि अगर अहाना दोबारा एक्टिंग में आती हैं तो उन्हें बहुत बड़ा प्यार और फॉलोइंग मिलेगी।

अविनाश प्यार से बंधे रिश्ते में आएंगे नजर

नई दिल्ली। अविनाश मिश्रा टीवी की दुनिया के पॉपुलर एक्टर हैं। रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' के बाद अब वह अपना नया शो लेकर आ रहे हैं। अविनाश मिश्रा बालाजी टेलीफिल्म्स के यूट्यूब ओरिजिनल शो प्यार से बंधे रिश्ते में नजर आएंगे। हाल ही में अविनाश मिश्रा ने अपने इस नए शो को लेकर बात की और कहा कि वह प्रोजेक्ट की तलाश में थे जिसके जरिए वह दर्शकों से कनेक्ट कर पाए। अविनाश मिश्रा ने अपने नए शो प्यार से बंधे रिश्ते के बारे में कहा, 'बिग बॉस के बाद मैं ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रहा था, जिससे मैं फिर से अपने दर्शकों से जुड़ सकूं। 'प्यार से बंधे रिश्ते मुझे बिल्कुल सही लगा। मैं बालाजी टेलीफिल्म्स का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और अपने पहले यूट्यूब शो की जिम्मेदारी मुझे दी।' उन्होंने कहा कि यह शो उनके लिए भी कुछ नया और अलग है।

बॉबी देओल की फिल्म बंदर का टीआईएफएफ में होगा प्रीमियर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल की अपकमिंग फिल्म बंदर (बंदर पिंजरे में) का आगामी टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 में विश्व प्रीमियर होने वाला है। यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। टोरंटो अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव कनाडा में 4 सितंबर से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाला है। यहां इसे दिखाया जाएगा। फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप कर रहे हैं। बॉबी देओल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। बॉबी देओल ने जो पोस्टर शेयर किया है उसमें देखा जा सकता है कि एक छोटे कमरे में कई लोग सो रहे हैं। इन सबके बीच बॉबी देओल चिंता में बैठे हुए हैं। कमरे की दीवार पर लोगों के कपड़े टंगे हैं। इसी कमरे में कई बर्तन भी रखे हैं।

पोस्ट शेयर करते हुए बॉबी देओल ने जो टैग्स लगाए हैं, उसके मुताबिक फिल्म में अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा भी नजर आ सकती हैं। बॉबी देओल की पोस्ट पर अभिनेता विक्रांत मैसी ने कमेंट करते हुए लिखा है बहुत-बहुत बधाई सर। अभिनेत्री सैयामी खेर ने लिखा है 'याय...' हुमा कुरैशी ने बॉबी देओल को मुबारकबाद देते हुए फायर वाला इमोजी बनाया है। सनी देओल ने भी थम्स अप और दिल वाला इमोजी बनाया है। बॉबी देओल आखिरी बार तेलुगु फिल्म डाकू महाराज में दिखाई दिए थे।

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार्स भी हुए हैं, जिन्हें शुरुआत में तो सफलता मिली, लेकिन उसके बाद वो अचानक इंडस्ट्री से गायब हो गए। इनमें कई ऐसे भी सितारे शामिल हैं, जिनकी पहली फिल्म ही बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

सफल डेब्यू के बाद अचानक इंडस्ट्री से गायब हुए ये सितारे

इमरान खान : सुपरस्टार आमिर खान के भांजे इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म जाने तू या जाने ना से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म को पसंद भी किया गया था। इसके बाद इमरान खान कई और फिल्मों में भी नजर आए जिनमें मेरे बदर की दुल्हन, ब्रेक के बाद, मटरू की बिजली का मन डोला, वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा, एक मैं और एक तू, गोरी तेरे प्यार में और डैली वैली जैसी फिल्में शामिल हैं। इमरान आखिरी बार 2015 में आई फिल्म कट्टी-बट्टी में नजर आए थे। इसके बाद लगभग दस साल बीत चुके हैं, लेकिन इमरान खान इंडस्ट्री से गायब हैं। हालांकि, ऐसी चर्चाएं हैं कि वो हैप्पी पटेल नाम की फिल्म में नजर आ सकते हैं।

असिन : आमिर खान के साथ सुपरहिट फिल्म गजनी से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली अभिनेत्री असिन बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री में भी काफी चर्चित रहीं। लेकिन, शादी के बाद असिन अचानक इंडस्ट्री से गायब हो गईं। असिन की बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो इनमें अधिकतर

बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थीं। असिन की फिल्मों में गजनी, लंदन ड्रीम्स, रेडी, हाउसफुल 2, बोल बच्चन, खिलाड़ी 786 और ऑल इज वेल जैसी फिल्में शामिल हैं। असिन ने अपने कॅरियर में आमिर खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे स्टार्स के साथ काम किया है।

अमृता राव : साल 2006 में आई फिल्म विवाह से रातों-रात नेशनल क्रश बन जाने वाली अमृता राव ने अपने करियर में कई फिल्में की। लेकिन, फिर अमृता अचानक लाइमलाइट से दूर हो गईं। हालांकि, वो छह साल पहले आई नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म ठाकरे में नजर आई थीं। लेकिन, फिलहाल अमृता एक लंबे वक्त से इंडस्ट्री से दूर हैं। अमृता ने अपने कॅरियर में 'इश्क विश्क, मस्ती, मैं हूं ना, वाह लाइफ हो तो ऐसी, शिखर, प्यारे मोहन और शौर्य जैसी फिल्में दी हैं।

जायद खान : इंडस्ट्री में कई स्टारकिड ऐसे भी रहे जिनका कॅरियर कुछ खास नहीं रहा। ऐसे ही स्टारकिड्स में शामिल हैं वेटरन एक्टर संजय खान के बेटे जायद खान। चुरा लिया है तुमने से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले जायद खान का कॅरियर कुछ खास नहीं रहा।

दुनिया बनाने वाले..., दोस्त-दोस्त न रहा जैसे मशहूर गाने गाए

अपने गानों से देश ही नहीं, विदेशों में भी लोगों के दिलों में बनाई जगह

नई दिल्ली। 'इक दिन बिक जाएगा, माटी के मोल, जग में रह जाएंगे, प्यारे तेरे बोल'। गायक मुकेश की आवाज में यह गाना लोगों को खूब भाया। उन्होंने अपने गानों से देश ही नहीं, विदेशों में भी लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई। उन्होंने जीना यहां मरना यहां, दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई, दोस्त-दोस्त न रहा और मेरा जूता है जापानी जैसे मशहूर गाने गाए। भले ही मुकेश इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन वह अपने गानों के जरिए लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

इंजीनियर बनाना चाहते थे पिता

मुकेश बचपन से ही गायक बनना चाहते थे। उन्होंने मैट्रिक तक ही पढ़ाई की। पढ़ाई के दिनों में वह स्कूल के कार्यक्रमों में गाया करते थे। मुकेश के पिता जोरवर चंद माथुर, मुकेश को सिविल इंजीनियर बनाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने मुकेश की नौकरी पीडब्ल्यूडी में लगवा दी। हालांकि, मुकेश के मन में गायक बनने का सपना जिंदा रहा। एक दिन उन्होंने अखबार में देखा कि मुंबई में कलाकारों की भर्ती निकली है। इसके बाद वह मुंबई चले गए। मुंबई पहुंचकर मुकेश को पांच साल बाद कामयाबी मिली।

पहली बार नाकाम होने पर लोगों ने छोड़ा साथ

मुकेश की बहन की शादी हो रही थी। इसमें गाने बजाने का भी प्रोग्राम हो रहा था। लड़के वालों की जिद पर मुकेश ने समारोह में एल के सहगल के कुछ गाने गाए। इस शादी में फिल्मी दुनिया से भी कुछ लोग आए थे। उन्होंने मुकेश की आवाज सुनी। इसके बाद उन लोगों ने मुकेश कि पिता से कहा कि वह मुकेश को फिल्मों में काम देना चाहते हैं। मुकेश के पिता ने हां कह दी। इसके बाद मुकेश ने पहली बार फिल्म निर्दोष (1941) में गाना गाया और अभिनय किया। यह फिल्म नहीं चली। जिन लोगों ने मुकेश को काम के लिए बुलाया था, उन्होंने भी उनका साथ छोड़ दिया।

लता मंगेशकर का कॅरियर बनाने में मदद की

लता मंगेशकर मुकेश को अपना भाई मानती थीं। वह रक्षाबंधन पर उन्हें राखी बांधती थीं। लता जब भी अपने संघर्ष के दिनों को याद करतीं तो वह मुकेश को भी याद करतीं। मुकेश ने ही लता मंगेशकर को अपना कॅरियर बनाने में मदद की। उस दौर में लता को लोग पतली आवाज की वजह से पसंद नहीं करते थे। उन्हें कई जगहों से नकारा जा चुका था। हालांकि, मुकेश को लता की आवाज अच्छी लगी। उन्होंने लता को नौशाद से मिलवाया। उन्हीं के कहने पर फिल्म अंदाज में लता को छह गाने गाने का मौका मिला। यहां से लता के कॅरियर को रफ्तार मिली।

भाग कर की शादी

मुंबई में मुकेश को एक गुजराती व्यापारी की लड़की सरला से प्रेम हो गया। सरला के पिता इस शादी के लिए तैयार नहीं थे। मुकेश के पिता भी इस शादी के लिए राजी नहीं थे। ऐसे में मुकेश ने सरला से भागकर शादी करने का फैसला किया। मुकेश ने सरला से एक मंदिर में अपने चचेरे भाई मोतीलाल की मौजूदगी में शादी की।

मुश्किलों से रिलीज हुआ पहला गाना

यह साल 1943 का दौर था। मुकेश ने अपने चचेरे भाई अभिनीत फिल्म पहली नजर में दिल जलता है गाना गाया। फिल्म के निर्देशक मजहर खान इस गाने को रिलीज नहीं करना चाहते। उनका कहना था कि मोतीलाल चुलबुले किरदार करते हैं। ऐसे में उन पर गंभीर गाना नहीं जचेगा। ऐसे में उन्होंने कहा कि अगर फिल्म में मुकेश के गाने को दर्शकों ने पसंद नहीं किया तो एक हफ्ते के बाद फिल्म से इस गाने को निकाल दिया जाएगा। लेकिन, मुकेश का गाया गाना लोगों को पसंद आया। इसके बाद मुकेश ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

गानों के जरिए हिट कराई फिल्म

गायक होने के साथ मुकेश एक फिल्म निर्माता भी थे। उस दौर में वह ऐसे गायक थे कि अपने दम पर फिल्में हिट कराने की ताकत रखते थे। साल 1951 में आई फिल्म मल्हार के प्रोड्यूसर खुद मुकेश थे। फिल्म के गानों को उन्होंने गाया। इसमें उनका साथ लता मंगेशकर ने भी दिया। फिल्म में बड़े कलाकार नहीं थे। इसके बावजूद ये फिल्म हिट रही। इस फिल्म के गाने बहुत मशहूर हुए, जिसकी वजह से यह फिल्म हिट रही।

बीसीसीआई को भी देश के कानून का पालन करना होगा राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में आएगा बीसीसीआई

नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में लाया जाना तय है। राष्ट्रीय खेल विधेयक आज संसद में पेश किया जाना है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, इस विधेयक के पारित होने के बाद, बीसीसीआई को अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह देश के कानून का पालन करना होगा। क्रिकेट को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के बाद बीसीसीआई भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने मंगलवार को बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) बुधवार 23 जुलाई 2025 को संसद में पेश किए जाने वाले नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नन्स बिल में शामिल होगा। सूत्रों के अनुसार 'सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह, बीसीसीआई को भी इस विधेयक के अधिनियम बन जाने के बाद देश के कानून का पालन करना होगा।' क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस खेलों में शामिल किए जाने के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है। राष्ट्रीय खेल विधेयक समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत ढांचे को संस्थागत रूप देने का प्रयास करता है।'

बीसीसीआई साल 1926 में इंपीरियल क्रिकेट सम्मेलन में शामिल हो गया था, जो बाद में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बनी। बीसीसीआई एक स्वायत्त निजी संगठन है। बीसीसीआई भारत सरकार के राष्ट्रीय खेल महासंघ के दायरे में नहीं आता है। वह युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि, साल 2020 में बीसीसीआई आरटीआई अधिनियम के दायरे में आया था। खेल विधेयक के लागू होने पर बीसीसीआई स्वचालित रूप से एक राष्ट्रीय खेल महासंघ बन जाएगा। तब बीसीसीआई पर खेल मंत्रालय के सभी नियम और विनियम लागू होंगे। राष्ट्रीय खेल विधेयक का उद्देश्य समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत ढांचा स्थापित करना है।

विधेयक की भूमिका पर खेल मंत्री ने दिया था बड़ा बयान

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में कहा था कि यह विधेयक देश के खेल प्रशासकों के लिए अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके तहत एक बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसे राष्ट्रीय खेल महासंघों को मान्यता देने और उन्हें फंडिंग प्रदान करने का अधिकार होगा। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि वह इससे जुड़ी शर्तों का कितना पालन करते हैं। यह बोर्ड यह भी सुनिश्चित करेगा कि खेल महासंघ उच्चतम शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों का पालन करें।

विधेयक के आने से रोजर बिन्नी को मिल सकता है फायदा

इस विधेयक में प्रशासकों की आयु सीमा के पेचीदा मुद्दे पर कुछ रियायत दी जाएगी। इसमें 70 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई है बशर्ते संबंधित अंतरराष्ट्रीय संस्थायें इसके लिए कोई आपत्ति न जताएं। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और इसके सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार करेगी। इसके सेलेक्शन कमेटी में अध्यक्ष के तौर पर कैबिनेट सचिव या खेल सचिव, भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक, दो खेल प्रशासक (जो किसी राष्ट्रीय खेल संस्था के अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हों) और एक प्रतिष्ठित खिलाड़ी शामिल होगा जिसने अपने करियर में द्रोणाचार्य, खेल रत्न या अर्जुन अवॉर्ड जीता हो।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी 70 साल के हो गए हैं। इस विधेयक के आने से वह 75 साल तक अपने पद पर बरकरार रह सकते हैं। यानी वह 5 साल और बीसीसीआई के अध्यक्ष पद पर रह सकते हैं।

अल्काराज मांसपेशियों की समस्या के कारण टोरंटो मास्टर्स में नहीं खेल पाएंगे

मैड्रिड

फ्रेंच ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने घोषणा की है कि वह आगामी एटीपी 1000 टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं लेंगे। अल्काराज, जो एक हफ्ते पहले ही जैनिक सिनर से विंबलडन फाइनल में हार गए थे, ने बताया है कि वह 27 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए टोरंटो क्यों नहीं जा पाएंगे। उन्होंने कल सोशल मीडिया पर लिखा, लगातार कई हफ्तों तक बिना आराम के प्रतिस्पर्धा करने के बाद, मैं इस साल टोरंटो में नहीं खेल पाऊंगा। मुझे मांसपेशियों में थोड़ी समस्या है और मुझे आगे के प्रदर्शन के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने की जरूरत है। टूर्नामेंट और कनाडा में अपने प्रशंसकों से मुझे बहुत खेद है, मैं आपसे अगले साल मिलूंगा। सिनर और नोवाक जोकोविच ने भी पुष्टि की है कि वे मांसपेशियों की समस्या के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे, जबकि अल्काराज यूएस ओपन से पहले सिनसिनाटी में वापसी करेंगे।

टाईब्रेकर में जीत से दिव्या देशमुख सेमीफाइनल में

हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को दी मात

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने टाईब्रेकर में हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को हराया। 19 साल की दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं। दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं। दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं। दिव्या से पहले 37 वर्षीय कोनेरू हंपी भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। दिव्या की सेमीफाइनल में चीन की तान जोंगयी से और हंपी की चीन की ही ली टिंग जी से टक्कर होगी।

शीर्ष तीन को मिलेगा कैंडिडेट्स का टिकट

यह पहली बार है जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। हंपी और दिव्या के पास कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का बेहतरीन मौका है। शीर्ष तीन खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलना है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का विजेता विश्व चैंपियन को चुनौती देता है। हरिका के पास दूसरे गेम में वापसी का मौका था, पर उन्हें मुकाबला गंवाना पड़ा। हरिका ने जैसे ही दिव्या से हाथ मिलाया, वह भावुक हो गईं। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि वह सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।

पुरुषों का विश्वकप भारत में

शतरंज की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्था फिडे ने पुरुषों के विश्वकप की घोषणा कर दी है। यह विश्वकप 30 अक्तूबर से 27 नवंबर तक भारत में आयोजित किया जाएगा। अभी विश्वकप के आयोजन स्थल की घोषणा नहीं हुई है। इस टूर्नामेंट में कुल 206 शतरंज खिलाड़ी खेलेंगे। इससे पहले भारत ने 2002 में हैदराबाद में विश्वकप की मेजबानी की थी, जिसे आनंद ने जीता था।

दीप्ति शर्मा ने लगाई लंबी छलांग, स्मृति मंधाना की बादशाहत बरकरार

दुबई

भारतीय टीम की स्टार खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने 10 स्थानों की छलांग लगाकर मंगलवार को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में 23वां स्थान हासिल कर लिया। वहीं, टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना की बादशाहत बरकरार है।

दीप्ति को मिला शानदार प्रदर्शन का फायदा

दीप्ति फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर हैं और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही हैं। पहले मुकाबले में उन्होंने 62 रनों की नाबाद पारी खेलकर मेजबानों के खिलाफ भारत को जीत दिलाई थी। दूसरे मुकाबले में उन्होंने 30 रनों की नाबाद पारी खेली। अब दीप्ति को उनके शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। वनडे की बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें पायदान पर पहुंच गई।

मंधाना शीर्ष पर काबिज

इंग्लैंड की सोफिया डंकली ने भारत के खिलाफ पहले वनडे में 92 गेंदों में 83 रन बनाए थे। अब उन्हें इस प्रदर्शन का फायदा मिला है। डंकली ने 24 स्थानों की छलांग लगाकर 52वां स्थान हासिल कर लिया। 53 रनों की शानदार पारी खेलने वाली एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स भी 40 स्थानों के लाभ के साथ 118वें पायदान पर पहुंच गईं। वहीं, मंधाना 727 रेटिंग के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को पांच स्थानों का झटका लगा है। वह 21वें स्थान पर खिसक गईं। गेंदबाजों की बात करें तो पहले स्थान पर काबिज सोफी एक्लेस्टोन ने भारत के खिलाफ जारी इस सीरीज में चार विकेट लेकर अपना स्थान मजबूत कर लिया है।

इंग्लैंड से मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे स्पिनर लियम डॉसन

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के मैनचेस्टर टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 रिलीज कर दी है। टीम में एक ही बदलाव हुआ। इंजर्ड स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को मौका मिला। बाकी 10 प्लेयर्स वही हैं, जो लॉर्ड्स टेस्ट में खेले थे। 5 टेस्ट की सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। टीम ने पहला और तीसरा टेस्ट जीता था। भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट जीता। चौथा टेस्ट जीतकर टीम इंडिया सीरीज को 2-2 से बराबर कर सकती है। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल स्टेडियम में होगा। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से खेला जाएगा। लियम डॉसन 8 साल बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे। इससे पहले 2017 में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नॉटिंघम में आखिरी टेस्ट खेला था। उन्होंने 2016 में चेन्नई के मैदान पर भारत के खिलाफ ही टेस्ट डेब्यू किया था।

पहली बार दो भारतीय महिला खिलाड़ी टॉप-4 में पहुंची, दोनों का मुकाबला चीनी खिलाड़ी से

दिव्या-कोनेरू फाईड वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

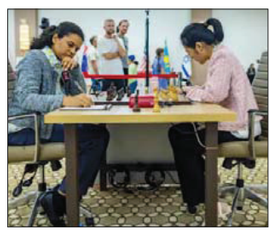

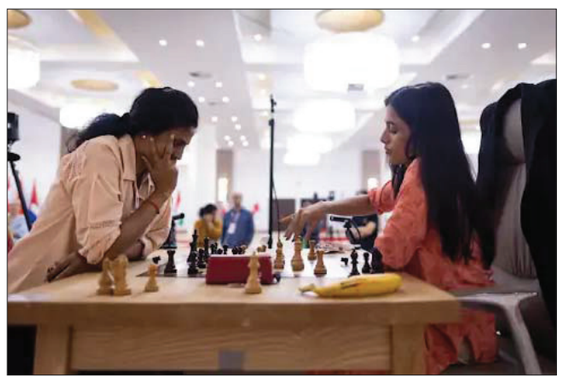

नई दिल्ली। कोनेरु हम्पी के बाद दिव्या देशमुख भी चेस FIDE विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। इसके साथ ही पहली बार दो भारतीय महिला टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना पाई हैं।

इससे पहले, रविवार को कोनेरु हम्पी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं। यह टूर्नामेंट जॉर्जिया के बटुमी में खेला जा रहा है।

सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में दिव्या देशमुख ने अपनी ही देश की हरिका द्रोणावल्ली को हरा कर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया। दिव्या और हरिका के दोनों क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे थे और टाई ब्रेक में दिव्या ने दोनों ही बाजियां जीत कर सेमीफाइनल के लिए प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला तान झोंगयी से होगा।

इस टूर्नामेंट में पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची। कोनेरू हंपी के अलावा हरिका द्रोणवल्ली, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने क्वार्टरफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

वैशाली रमेशबाबू को चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया। वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

कोनेरु हम्पी ने चीनी खिलाड़ी को हराया

वहीं, कोनेरू हम्पी ने चीन की सॉन्या युक्सिन को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। उन्होंने पहला गेम जीता, जबकि दूसरा गेम ड्रॉ रहा। अब सेमीफाइनल में चीन की लेई टिंगजी से खेलेंगी।

डीपीएल का दूसरा सीजन 2 अगस्त से, महिला लीग 17 से

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) का दूसरा संस्करण 2 अगस्त से शुरू होने वाला है। टूर्नामेंट की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी, जिसके बाद पहला पुरुष मैच होगा, जबकि फाइनल 31 अगस्त को राजधानी के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। दूसरे सीजन में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें होंगी, जिनका मुख्य ध्यान प्रतिस्पर्धी संतुलन, उभरती प्रतिभाओं और प्रशंसकों की भागीदारी पर होगा।

दिल्ली प्रीमियर लीग ने अपनी आठ टीमों को चार-चार के दो समूहों में विभाजित किया है। ग्रुप ए में आउटर दिल्ली वॉरियर्स, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, न्यू दिल्ली टाइगर्स और नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स शामिल हैं। ग्रुप बी में वेस्ट दिल्ली लायंस, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और पुरानी दिल्ली 6 शामिल हैं।

पुरुष लीग प्रारूप-पुरुषों के इस टूर्नामेंट में कुल 40 मैच होंगे, जिनमें 8 टीमें खिताब के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी। टीमों को चार-चार के दो समूहों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक टीम अपने ग्रुप की 3 टीमों के साथ डबल राउंड रॉबिन (2 मैच - होम और अवे) खेलेगी और दूसरे ग्रुप की 4 टीमों के साथ सिंगल राउंड रॉबिन (1 मैच) खेलेगी, जिससे कुल 10 मैच होंगे। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। शीर्ष दो टीमें क्वालीफायर 1 में आमने-सामने होंगी, जिसमें विजेता को सीधे फाइनल में जगह मिलेगी। इस बीच, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। एलिमिनेटर का विजेता क्वालिफायर 2 में क्वालिफायर 1 की हारने वाली टीम से भिड़ेगा। उस मैच का विजेता फाइनल में शेष स्थान सुरक्षित कर लेगा और क्वालिफायर 1 के विजेता से भिड़ेगा। ग्रैंड फाइनल 31 अगस्त को होगा। पुरुषों के फाइनल के लिए 1 सितंबर को एक रिजर्व दिन निर्धारित है।

महिला लीग प्रारूप-17 अगस्त से 24 अगस्त तक चलने वाली महिला प्रतियोगिता में चार टीमें होंगी और राउंड-रॉबिन प्रारूप में कुल 6 मैच खेले जाएंगे। लीग चरण की शीर्ष दो टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। लीग से पहले, डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, डीपीएल का दूसरा सीजन दिल्ली में घरेलू फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा। राउंड-रॉबिन प्रारूप और दो नई पुरुष टीमों के शामिल होने से प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी बढ़ जाएगा। महिला लीग भी लगातार आगे बढ़ रही है और राजधानी की उभरती महिला क्रिकेटरों के लिए एक मजबूत मंच साबित होगी।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास

पाकिस्तान को दूसरे टी-20 में आठ रनों से हराया

तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त

ढाका

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला ढाका के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेला गया, जिसमें बांग्लादेश ने पाकिस्तान को रोमांचक अंदाज़ में 8 रनों से हराकर सीरीज़ में 2-0 की बढ़त बना ली है। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए बांग्लादेश की टीम 20 ओवरों में 133 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश के लिये जाकर अली ने 48 गेंदों में 55 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि महेदी हसन ने 25 गेंदों में 33 रन जोड़कर टीम के स्कोर को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से सलमान मिर्ज़ा (2/17), अहमद दानियाल (2/23) और अब्बास आफरीदी (2/37) ने दो-दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत धीमी रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। हालांकि फहीम अशरफ ने 32 गेंदों में 51 रनों की तेज़ पारी खेलकर मैच को रोमांचक बनाया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई बड़ा साथ नहीं मिल सका। अब्बास आफरीदी ने 13 गेंदों में 19 और अहमद दानियाल ने 11 गेंदों में 17 रन बनाए, लेकिन टीम 19.2 ओवरों में 125 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश की जीत के हीरो रहे शोरिफुल इस्लाम, जिन्होंने 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं तंजीम हसन साकिब और महेदी हसन को भी दो-दो सफलताएं मिलीं. इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने तीन मैचों की सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. पहला मैच बांग्लादेश ने 7 विकेट से जीता था और अब दूसरा भी अपने नाम कर लिया। तीसरा और अंतिम मुकाबला अब औपचारिकता भर रह गया है।

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज : 5वां मुकाबला

न्यूज़ीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराया

हरारे

न्यूजीलैंड ,दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच खेली जा रही टी20 त्रिकोणीय सीरीज़ का 5वां मुकाबला हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। जिसमें न्यूज़ीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। न्यूज़ीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला किया और साउथ अफ्रीका को 134 रन पर रोक दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से सबसे ज़्यादा रन रीज़ा हेंड्रिक्स (41 रन) ने बनाए, जबकि जॉर्ज लिंडे ने 23 रन की नाबाद पारी खेली। न्यूज़ीलैंड की ओर से जैकब डफी, एडम मिल्ने और मिचेल सैंटनर ने 2-2 विकेट चटकाए और विपक्षी टीम को बड़े स्कोर से वंचित कर दिया। 134 रनों का पीछा करने उतरी न्यूज़ीलैंड की शुरुआत तेज़ रही। सलामी बल्लेबाज़ टिम सीफ़र्ट ने 48 गेंदों में 66 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे. उनके साथ डेवोन कॉनवे ने 19 रन बनाए, जबकि डेरिल मिशेल 20 रन बनाकर नाबाद लौटा। साउथ अफ्रीका के लिए सेनुरन मुथुसामी ने दो विकेट लिए, लेकिन बाकी गेंदबाज़ महंगे साबित हुए और विपक्षी बल्लेबाज़ों पर दबाव नहीं बना सके। न्यूज़ीलैंड ने लक्ष्य 15.5 ओवर में ही हासिल कर लिया और यह जीत उनके लिए सीरीज़ में आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही। वहीं अफ्रीकी टीम के लिए चिंता की बात उनकी अस्थिर बल्लेबाज़ी और खराब फील्डिंग रही।

झेंग किनवेन ने कोहनी की सर्जरी के बाद यूएस ओपन से नाम वापस लिया

वाशिंगटन

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने कोहनी की सर्जरी के बाद इस साल के यूएस ओपन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने आज इसकी घोषणा की। छठी रैंकिंग वाली झेंग, जो दो बार यूएस ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट रह चुकी हैं, ने पिछले शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनकी दाहिनी कोहनी की सर्जरी सफल रही है और अब वह ठीक हो रही हैं।

झेंग ने लिखा, मुझे अपनी दाहिनी कोहनी में लगातार दर्द की समस्या रही है।

हरमनप्रीत कौर ने जड़ा तूफानी शतक, वनडे शतक के मामले में की मिताली की बराबरी

चेस्टर-ले-स्ट्रीट

भारत महिला और इंग्लैंड महिला टीम के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला चेस्टर ली स्ट्रीट में खेला गया। इस मैच में भारत महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार शतक लगाया है। उन्होंने महज 82 गेंदों में शतक लगाकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। यह हरमनप्रीत के वनडे करियर का सातवां शतक है। उन्होंने भारत के लिए सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में मिताली राज की बराबरी कर ली है।

हरमनप्रीत कौर ने कर ली मिताली राज की बराबरी

भारतीय महिला टीम के लिए वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो वहां स्मृति मंधाना का नाम टॉप पर है। मंधाना ने 105 पारियों में 11 शतक लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हरमनप्रीत कौर और मिताली राज का नाम है। दोनों ने वनडे क्रिकेट में अब तक 7-7 शतक लगाए हैं। खास बात ये है कि हरमनप्रीत ने 129 पारियों में 7 शतक लगाए हैं। वहीं मिताली राज ने 211 पारियों में यह कारनामा किया था। उसके बाद इस लिस्ट में पूनम राउत का नाम है। उन्होंने 73 पारियों में 3 शतक लगाए हैं। वहीं पांचवें नंबर पर थिरुश कामिनी का नाम है। उन्होंने वनडे में भारत के लिए 37 पारियों में 2 शतक लगाए थे।

हरमनप्रीत कौर ने लगाया दूसरा सबसे तेज शतक

भारतीय महिला टीम के लिए वनडे में सबसे तेज शतक लगाने की बात करें तो वहां अब हरमनप्रीत दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। भारत के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड स्मृति मंधाना के नाम है। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ 2025 में 70 गेंदों में सेंचुरी पूरी की थी। वहीं हरमनप्रीत ने इस मैच में 82 गेंदों में शतक लगाया है।

लिस्ट में तीसरे नंबर पर भी हरमनप्रीत का नाम है। उन्होंने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में 85 गेंदों में शतक जड़ा था।

हरमनप्रीत कौर ने हासिल की एक और उपलब्धि

अपनी इस पारी के दौरान हरमनप्रीत ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। दरअसल, वनडे में उनके 4000 रन पूरे हो गए हैं। हरमनप्रीत कौर दुनिया की 17वीं ऐसी महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने इस कारनामे को करके दिखाया है। वहीं, वनडे में 4000 रन बनाने वाली वो तीसरी भारतीय हैं। उनसे पहले मिताली राज और स्मृति मंधाना इस उपलब्धि को हासिल कर चुकी हैं। हरमनप्रीत ने 129 पारियों में इस आंकड़े को पार किया है।

भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को दिया 319 रनों का विशाल लक्ष्य

भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 5 विकेट खोकर 318 रन बनाए जो इस सीरीज में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है. इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टोन सबसे किफायती गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 10 ओवर में 2 मेडन सहित केवल 28 रन देकर एक विकेट लिया, वही, लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, लिन्सी स्मिथ को एक-एक सफलता मिली।

भारत की इस पारी ने निर्णायक मुकाबले में दबदबा बना दिया है और इंग्लैंड महिला टीम के सामने अब 319 रन का विशाल लक्ष्य है।

चीन के ली शी फेंग से हारकर बाहर हुए लक्ष्य प्रणय 5 मैच अंक बचाकर अगले दौर में पहुंचे

नई दिल्ली

भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने पांच मैच अंक बचाए और एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मंगलवार को जापान के कोकी वतनबे को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। हालांकि, लक्ष्य सेन एक बार फिर पहली बाधा पार नहीं कर पाए।

लक्ष्य को मिली मात

प्रणय ने 18वें नंबर के वतनबे के खिलाफ 8-21, 21-16, 23-21 से जीत हासिल की। लक्ष्य का खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें अच्छी शुरुआत के बावजूद चीन के पांचवें वरीय ली शी फेंग से 21-14, 22-24, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं प्रणय की पहले गेम में जापान के खिलाड़ी के सामने एक नहीं चली लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने अच्छी वापसी करके मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरा और निर्णायक गेम काफी रोमांचक रहा। प्रणय आखिरी गेम में 2-11 से पीछे थे, लेकिन फिर उन्होंने लगातार पांच अंक लेकर अंतर कम कर दिया। फिर भी 15-20 के स्कोर पर जापान के खिलाड़ी के पास पांच मैच प्वाइंट थे। भारतीय खिलाड़ी ने इन सभी मैच प्वाइंट को बचाकर 21-20 की मामूली बढ़त हासिल कर ली और आखिर में यादगार जीत दर्ज की।महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय पहले ही दौर में चीनी ताइपे की लिन हिसयांग ती से 23-21, 11-21, 10-21 से हारकर बाहर हो गईं। ए सूर्या और ए प्रमुथेश तथा रोहन कपूर और रुथविका गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ियां भी अपने शुरुआती दौर के मैच हार गईं।

कोध्र व्यक्ति का स्वभाव नही परिस्थिति वश संयोग है

जिला ब्यूरो अंसार खान

आरोन- दुलर्भ वाणी क्रोध विषय पर चल रहे नगर में विशेष प्रवचन माला में परम पूज्य मुनि 108 श्री दुर्लभ सागर जी महाराज ने कहा व्यक्ति को क्रोध पर काबू पाने के लिए अपने स्वभाव को धैर्यवान बनाना होगा क्रोध व्यक्ति का स्वभाव ना होकर मात्र तात्कालिक परिस्थितियों वश उत्तेजना मे की गयी प्रतिक्रिया है कभी-कभी क्रोध तत्कालिक संयोग वश आ जाता है व्यक्ति का स्वभाव ना होते हुए भी वह क्रोध कर बैठता है मधुर से मधुर स्वभाव के व्यक्ति भी परिस्थिति बश आवेशित होकर क्रोधित हो जाते है यदि मनुष्य को क्रोध को छोड़ना है तो उसे हर कार्य को कर्तव्य समझना पड़ेगा अधिकार नहीं कर्तव्य में प्रेम समाहित है अधिकार में संघर्ष समाहित है संघर्ष के कारण बेमनुष्ता एवं क्रोध है अधिकार में पीड़ा है कर्तव्य में प्रेम है हर कार्य को कर्तव्य समझे तो जीवन से संघर्ष पीड़ा शत्रुता क्रोध पूर्णतया समाप्त है और कार्य को कर्तव्य समझे तो संपर्क जुडाव वैराग्य के साथ थकावट की मिठास है जीवन मे कर्तव्य के साथ कोई रुकावट ना होकर कर्तव्य के साथ प्रेम वश लोगों के साथ जुड़ाव है आनंद है प्रसन्नता है महाराज श्री ने विशेष प्रवचन माला में कहा है कि यदि आपको अपने जीवन पथ पर आगे बढ़ना है कामयाबी के साथ शिखर पर पहुंचना है जीवन में अपनी जीवन पथ पर आगे बढ़ना है तो अपने पास सदैव आलोचकों को अपने पास रखना पड़ेगा निंदा करने वाले ही आपकी कमी बता कर आपके व्यक्तित्व के विकास मे सहयोगी हो सकते हैं यदि आप अपनी आलोचनाओं से नहीं घबराएंगे और आलोचनाओं को सकारात्मक रूप में लेगे तो निंदा करने वालों की निंदा से अपने अवगुणों को पहचान कर दूर करने का प्रयास करेंगे तो आप जीवन में उच्चतम स्थान प्राप्त कर सकते हैं आरोन नगर में चातुर्मास कर रहे परम पूज्य मुनि 108 श्री दुर्लभ सागर जी महाराज जी की विशेष धार्मिक ब्लास एवं प्रवचन प्रतिदिन संत निवास नियम सागर भवन एवं बड़े जैन मंदिर की पर हो रहे हैं जिसमें सकल दिगंबर जैन समाज आदिनाथ ट्रस्ट कमेटी एवं चातुर्मास कमेटी के साथ साथ बाहर से पधारे अतिथि गणों द्वारा धर्म लाभ लिया जा रहा है समस्त कार्यक्रम की जानकारी आदिनाथ टेस्ट कमेटी के प्रचार मंत्री के के सरकार द्वारा दी गई।

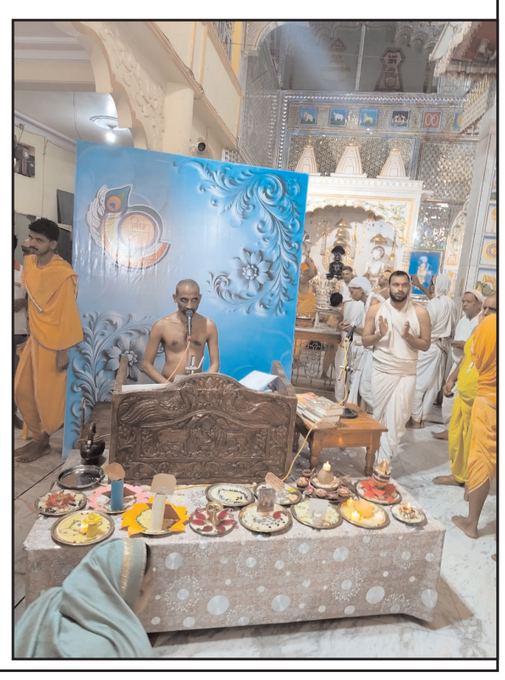

जिले में अब तक 603.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

पिछले 24 घंटे में 6.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

अंसार खान जिला ब्यूरो दैनिक लोक प्रदेश

गुना। गुना जिले में 01 जून से अब तक 603.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 57.2 प्रतिशत है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 364.4 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिलीमीटर है।

अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून से 22 जुलाई 2025 प्रात: 8:00 बजे तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 869.3 मिलीमीटर, बमौरी में 791.0, आरोन में 546.0, राघौगढ़ में 512.0, चांचौड़ा में 449.0, कुम्भराज में 537.0 तथा वर्षा मापी केन्द्र मक्सूदनगढ में 515.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में बीते 24 घंटे में 6.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 0.0 मिमी., बमोरी में 0.0 मिमी., आरोन में 17.0 मिमी., राघौगढ़ में 0.0 मिमी., चांचौड़ा में 0.0 मिमी., कुंभराज में 0.0 एवं वर्षामापी केन्द्र मक ?सूदनगढ़ में 26.0 मिमी. वर्षा

वन विभाग ने जल गंगा संवर्धन अभियान में 5 करोड़ से अधिक पौधों का किया रोपण

अभी तक 95.23 फीसदी हुआ पौधारोपण

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेश को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण के आव्हान पर वन विभाग द्वारा प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जैव विविधता को बढ़ावा देने, पर्यावरण संतुलन बनाये रखने, जलवायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और जल संचय करने के उद्देश्य से 71 हजार 682 हेक्टेयर में 5 करोड़ 35 हजार 872 पौधों का रोपण किया गया है। अभियान में 78 हजार 665 हेक्टेयर में कुल 5 करोड़ 25 लाख 40 हजार 158 पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया था। अभी तक लक्ष्य के विरुद्ध 95.23 प्रतिशत पौधरोपण किया जा चुका है।

विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लगाए गए पौधे

वन विभाग की विभिन्न शाखाओं द्वारा पौधरोपण के लक्ष्य के विरुद्ध अनुसंधान एवं विस्तार शाखा द्वारा 115 हेक्टेयर में 82 हजार 108, बेम्बो मिशन में 1113 हेक्टेयर में 4 लाख 9 हजार 735, कैम्पा में 50 हजार 545 हेक्टेयर में 3 करोड़ 25 लाख 72 हजार 688, डेवलपमेंट में 12 हजार 903 हेक्टेयर में 67 लाख 86 हजार 151, ग्रीन इण्डिया मिशन में 1413 हेक्टेयर में 4 लाख 69 हजार 515, लघु वनोपज संघ में 1854 हेक्टेयर में 9 लाख 33 हजार 875 और वन विकास निगम द्वारा 3 हजार 521 हेक्टेयर में 87 लाख 81 हजार 800 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

पंचायत उप निर्वाचन में हुआ 70.51% मतदान

भोपाल। पंचायत उप निर्वाचन 2025 में त्रि-स्तरीय पंचायतों में रिक्त पद के लिये मंगलवार को मतदान हुआ। सरपंच पद के लिये 49 और जनपद पंचायत सदस्य के 5 पदों के लिये मतदान हुआ। कुल 70.51 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया कि खास बात यही रही कि सागर जिले की 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिये 9 मतदान केन्द्रों और दमोह जिले के वार्ड-16 के जनपद सदस्य के निर्वाचन के लिये 9 मतदान केन्द्रों में मतदान इंटिग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीबीएमएस) से कराया गया। इन मतदान केन्द्रों की मतदान प्रक्रिया का लाइव प्रसारण भी किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय के सामने तथा सागर और दमोह में एक-एक स्क्रीन लगाई गई।

विवि स्तर पर प्रशिक्षण शिविर होंगे प्रारंभ : परमार

राष्ट्रीय सेवा योजना राज्यस्तरीय सलाहकार समिति की बैठक हर छ: माह में की जाए

भोपाल (नगर संवाददाता)

इन्दर सिंह परमार

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में, राष्ट्रीय सेवा योजना राज्यस्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में मंत्री परमार ने विश्वविद्यालय स्तर प्रशिक्षण शिविर फिर से विश्वविद्यालय की सहयोग राशि से प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोदग्राम योजना के विभिन्न पहलुओं को धरातल पर सार्थकता प्रदान करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक वर्ष में प्रत्येक 6 माह में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। परमार ने कहा कि कार्यक्रम अधिकारियों का जिला/विश्वविद्यालय स्तर पर एक या दो दिवसीय प्रशिक्षण कराया जाये। उन्होंने कहा कि एनएसएस गतिविधियों के कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जायें और इसकी समीक्षा भी की जाये। परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों में स्वयंसेवी विद्यार्थियों की सहभागिता को उनके मूल्यांकन में अतिरिक्त वेटेज देने की विश्वविद्यालयों द्वारा कार्य-योजना बनायी जाये। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों से ग्रामों में रोजगार एवं स्व-रोजगार आदि विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सर्वेक्षण भी कराया जाये। परमार ने कहा कि कार्यक्रम अधिकारियों का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जब तक 7 दिवसीय प्रशिक्षण की पूर्ण व्यवस्था नही हो जाती, तब तक जिला/ विश्वविद्यालय स्तर पर एक या दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। परमार ने कहा कि एनएसएस गतिविधियों के कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं और इसकी समीक्षा विभागीय बैठकों में की जाए। विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से ग्रामों में परिणामुन्मुखी क्रियान्वयन करें।

मध्य क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को 1498.62 करोड़ से अधिक की सब्सिडी दी गई

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का प्रदेश में प्रभावी और पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 30 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को करीब 1498 करोड़ 62 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि वर्ष 2024-25 में सबसे ज्यादा सब्सिडी भोपाल क्षेत्र के राजगढ़ वृत्त के उपभोक्ताओं की 115 करोड़ 63 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी प्रदान की गई है। इसी तरह से ग्वालियर क्षेत्र के शिवपुरी वृत्त के उपभोक्ताओं को सर्वाधिक 125 करोड़ 87 लाख रूपये की सब्सिडी प्रदान की गई है। यह सब्सिडी घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को दी गई है। उपभोक्ताओं के बिल पर सब्सिडी का भी उल्लेख रहता है।

मेपकास्ट: विद्यार्थियों ने विज्ञान की अवधारणाओं को रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जाना

सरस्वती शिशु मंदिर शारदा विहार, भोपाल के कक्षा 6 से 10 तक के करीब 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल स्थित मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) के सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग में मंगलवार को एक रोचक और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर शारदा विहार, भोपाल के कक्षा 6 से 10 तक के करीब 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया और गणित व विज्ञान की अवधारणाओं को रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अनुभव किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को (पाई) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, गणित में उसके अनुप्रयोग, और अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियंत्रण में उसकी महत्ता से अवगत कराया गया। बच्चों ने पाई से संबंधित गणितीय गतिविधियों में भाग लिया, जैसे – बाइनरी संख्याएं, रिवर्स इंजीनियरिंग, वृत गणना और अन्य रोचक प्रयोग। स्टीम आधारित गतिविधियों के माध्यम से गणित, विज्ञान और इंजीनियरिंग की आपसी कड़ियों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने विभिन्न शैक्षिक खिलौनों और मॉडलों के माध्यम से गणितीय और वैज्ञानिक अवधारणाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा और सीखा। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणितीय सोच, विश्लेषण क्षमता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था, ताकि वे ज्ञान को केवल पढ़ें नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतार सकें।

विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया : इस अवसर पर एमपीसीएसटी के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने विद्यार्थियों को परिषद में संचालित विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों की जानकारी दी और उन्हें विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेश कुमार साहू, उप आयुक्त, मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड, ने विद्यार्थियों को स्क्रीन टाइम कम करने और रचनात्मक गतिविधियों में अधिक समय देने का संदेश दिया।

नगरीय निकायों में ई-गवर्नेंस सेवाओं का होगा विस्तार

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिये केंद्रीयकृत वेब आधारित ई-नगर पालिका 2.0 संचालित हो रही है। यह परियोजना डिजिटल इंडिया के उद्देश्य को बढ़ावा देने तथा पारदर्शी एवं त्वरित नागरिक सेवा देने के उद्देश्य से नगरीय निकायों में चल रही है। मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है जहां प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को एक सिंगल पोर्टल पर लाया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने वर्ष 2025-26 में ई-गवर्नेंस-आईटी के माध्यम से नागरिक सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना तैयार की है। नगरीय निकायों की सभी सेवाओं को ऑनलाइन नवीन तकनीक से अपग्रेड किया जायेगा। समस्त नगरीय निकायों में नागरिक सेवाओं को ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल एवं मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से प्रदाय किया जाएगा। नगरीय क्षेत्रों के सतत और योजनाबद्ध विकास तथा विभागीय कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिये रियल टाइम डेशबोर्ड विकसित किया जा रहा है। विभाग की एआई गार्ड योजना में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रयोग किये जाने की भी योजना तैयार की गई है। जीआईएस पोर्टल पर 90 से अधिक महत्वपूर्ण डाटा लेयर्स का प्रयोग कर इसका विकास किया जायेगा।

आईआरसीटीसी : उज्जैन (महाकाल लोक), ओंकारेश्वर जैसे प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ा जाएगा

धार्मिक पर्यटन को नई उड़ान, कई नए भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन पैकेज होंगे शुरू

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने मध्यप्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए एक महत्वाकांक्षी पहल की घोषणा की है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों को देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों से जोड़ना है। आईआरसीटीसी के अधिकारियों के अनुसार आगामी महीनों में मध्यप्रदेश से कई नए भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन पैकेज शुरू किए जाएंगे, जिनके जरिए उज्जैन (महाकाल लोक), ओंकारेश्वर, चित्रकूट, अमरकंटक, ओरछा, खजुराहो एवं पंचमढ़ी जैसे प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ा जाएगा।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से कराया जाएगा अवगत :

इसके अलावा रेल मंत्रालय ने देश के विभिन्न भागों से भारत सरकार द्वारा परिकल्पित देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत की पर्यटन अवधारणाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। भारतीय रेलवे भारत को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्षेत्र में एक आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के हमेशा प्रतिबद्ध रहा है। भारतीय रेल की इन थीम-आधारित ट्रेनों की परिकल्पना घरेलू पर्यटकों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से अवगत कराने के लिए की गई है।

यात्रा के लिए आगामी माह में 2 भारत गौरव ट्रेन का शुरू हो संचालन

इसी क्रम में आईआरसीटीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल आगामी माह में 2 भारत गौरव ट्रेन, 2 ज्योतिर्लिंग के साथ दक्षिण दर्शन यात्रा एवं पुरी, गंगासागर के साथ 2 ज्योतिर्लिंग (बाबा बैद्यनाथ एवं काशी विश्वनाथ) यात्रा का संचालन करने जा रही है। आईआरसीटीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा डोमेस्टिक एयर पैकेज के माध्यम से लद्दाख, अंडमान, गोवा, पांडिचेरी, केरला, लक्षदीप, रण ऑफ कछ, गुजरात, सिक्किम दार्जिलिंग एवं कश्मीर के दर्शनीय एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही आउट बॉन्ड एयर टूर पैकेज के माध्यम से भूटान, यूरोप, थाइलैंड, श्रीलंका, बेस्ट ऑफ एशिया, वियतनाम, बाली, जापान एवं दुबई का भ्रमण कराया जाएगा।

प्रदेश के धार्मिक स्थलों को विश्व पर्यटन मानचित्र पर दिलाया जाएगा प्रमुख स्थान : राजेंद्र

आईआरसीटीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के संयुक्त महाप्रबंधक (पर्यटन) राजेंद्र बोरबन ने कहाकि हमारा उद्देश्य है कि मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थलों को विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाया जाए। इस प्रयास से ना केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। आईआरसीटीसी ने राज्य सरकार और पर्यटन विभाग के साथ मिलकर इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए कार्य करना शुरू कर दिया है।

सेंट पॉल को-एड स्कूल में चालक और परिचालकों के लिए हुई कार्यशाला

भोपाल (नगर संवाददाता)

सेंट पॉल को-एड स्कूल, आनंद नगर, भोपाल में स्कूल बस और प्राइवेट वैन चालक, परिचालक और सहपरिचालकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 70 से अधिक चालक और परिचालकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य बस चालकों और परिचालकों को यातायात नियमों और विद्यार्थी सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन ट्रैफिक पुलिस एजुकेशन सेल से श्री गिरीश सारस्वत जी और श्री देवेंद्र लोधी जी थे।उन्होंने सभी बस चालकों और परिचालकों को शहर में वाहन चलाते समय पालन किए जाने वाले नियमों के बारे में जानकारी दी और नए सड़क सुरक्षा नियमों पर चर्चा की। स्कूल के प्राचार्य डॉ. फादर थॉमस ने सभी बस चालकों और परिचालकों से अनुरोध किया कि वे कार्यशाला में बताए गए नियमों का पालन करें। इससे सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों के साथ अपने बच्चों जैसा व्यवहार करना और उनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है। विद्यार्थी सुरक्षा हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि किसी भी विद्यार्थी के साथ कोई अप्रिय घटना न घटे।

आदि कर्मयोगी अभियान : रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम का हुआ शुभारंभ

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारी करें ग्राम भ्रमण: मंत्री डॉ. शाह

भोपाल (नगर संवाददाता)

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि अधिकारी शासकीय योजनाओं को संवेदनशीलता से ग्राम स्तर पर लागू करें। ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर रात्रि विश्राम भी करें, जिससे जनजातीय समुदाय की वास्तविक समस्याओं को समझ सकें। मंत्री डॉ. शाह मंगलवार को केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राज्य के जनजातीय कार्य विभाग के समन्वय से जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में 'आदि कर्मयोगी अभियान : रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अभियान के तहत 22 से 28 जुलाई 2025 तक सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होटल रेजन्टा पैलेस आईएसबीटी कैम्पस में किया जायेगा। प्रशिक्षण में उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश से 24 प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

12 राज्य स्तरीय प्रशिक्षकां द्वारा 50 जिलों में प्रशिक्षक तैयार किए गए

अभियान में 12 राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण उपरांत 50 जिलों में प्रति जिला 07-07 मास्टर ट्रेनर्स अर्थात कुल 350 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। ये मास्टर ट्रेनर्स विकासखण्ड स्तर के मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देंगे, जो आगे ग्राम स्तर के कर्मयोगियों को प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग सहित स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। ये सभी विभाग आपसी समन्वय से इस अभियान को ग्राम स्तर तक पहुंचाएंगे। 'आदि कर्मयोगी अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों को उनके कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों को स्वार्थ रहित, पूर्ण निष्ठा एवं संवेदनशीलता से निभाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। शुभारंभ सत्र में केन्द्रीय सचिव जनजातीय कार्य मंत्रालय श्री विभु नायर, उत्तरप्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव वेकेंटेश्वरालू एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रमुख सचिव सोनमोनी बोराह वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, जनजातीय कार्य गुलशन बामरा, केन्द्रीय संयुक्त सचिव अजीत श्रीवास्तव, उप सचिव जफर मलिक एवं आयुक्त सह संचालक, जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाएं वंदना वैद्य ने भी संबोधित किया।

किशोर मानसिक स्वास्थ्य पर समग्र प्रयासों की आवश्यकता: शुक्ल

भोपाल (नगर संवाददाता)

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि पूर्ण स्वास्थ्य केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की समग्र स्थिति है। किशोरों में बढ़ते मानसिक दबावों को देखते हुए समय रहते सटीक हस्तक्षेप आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के समाधान संभव हैं, और इस दिशा में विशेषज्ञ मंथन और युवा संवाद जैसे प्रयासों से आउटरीच को गति मिलेगी। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों और प्रभावों की पहचान के साथ-साथ मेडिकल और सामाजिक हस्तक्षेप के बिंदु भी चिन्हित किए जाएंगे। शुक्ल ने कहा कि भारत शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, और 2047 तक एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित होगा। समृद्धि के साथ मानसिक स्वास्थ्य की महत्ता और भी बढ़ जाती है। ऐसे में युवाओं को सही मानसिक दिशा देने के लिए ऐसी पहलें अत्यंत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि किशोर आज शैक्षणिक दबाव, पारिवारिक अपेक्षाओं और सामाजिक चुनौतियों के बीच मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। ऐसे में उनके लिए सहायक तंत्र का निर्माण आवश्यक है, जहां वे खुलकर बात कर सकें, सुने जाएं और समर्थन महसूस कर सकें। मानसिक स्वास्थ्य में निवेश न केवल एक नीति प्राथमिकता है, बल्कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी और साझा भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता है।

आगामी दो वर्षों में स्थापित होंगे 6 नए मेडिकल कॉलेज : शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचा तेज़ गति से विकसित हो रहा है। वर्ष 2003 में जहां 5 मेडिकल कॉलेज थे, आज 17 हो चुके हैं। अगले वर्ष 2 और आगामी वर्षों में 6 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना प्रक्रिया में हैं। प्रदेश सरकार 'राइट टू स्क्रीनिंग के माध्यम से बीमारियों की समय पर पहचान और निवारण सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रही है। टेलीमेडिसिन सेवाओं से सीएचसी/पीएचसी में जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

आई सपोर्ट माय फ्रेंड्स मॉड्यूल का विमोचन

शुक्ल ने आई सपोर्ट माय फ्रेंड्स मॉड्यूल और नेशनल फैक्ट शीट ऑन एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि आई सपोर्ट माय फ्रेंड जैसे प्रयास युवाओं को मानसिक रूप से सशक्त करने में सहायक होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विशेषज्ञों और युवाओं द्वारा दिए गए सुझावों को क्रियान्वयन के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यूनिसेफ और निमहांस के सहयोग से 'राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के अंतर्गत 'आई सपोर्ट माय फ्रेंड्स नामक नया प्रशिक्षण मॉड्यूल लॉन्च किया गया। यह एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किशोरों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता हेतु सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह मॉड्यूल 'लुक, लिसन, लिंक रूपरेखा पर आधारित है, जिसे स्कूलों, समुदायों और किशोर समूहों में क्रियान्वयन के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)